दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्ष: 30 | अंक: 311 | भोपाल, सोमवार 24 नवंबर 2025 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

एसआईआर क्या जानलेवा बन रहा एसआईआर? काम का दबाव और कर्मचारियों का टोटा

अब तक कई राज्यों के करीब 15 बीएलओ की मौत

एजेंसी| नई दिल्ली

देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) अभियान के बीच बूथ लेवल अफसरों (बीएलओ) की मौतें चिंता का कारण बन रहीं हैं। सवाल ये है कि अब 6 राज्यों में 15 बीएलओ की मौत हो गई है। कारण जो भी रहे हों लेकिन मौत तो हुई है। इन काम का दबाव और कर्मचारियों का टोटा जैसे दिक्कतों से इनकार नहीं किया जा सकता है।

बता दें कि निर्वाचन आयोग की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार बड़े राज्यों में राजस्थान में सर्वाधिक 60.54 प्रतिशत फॉर्म डिजिटलाइज हुए हैं। वहीं, केरल में सबसे कम 10.58 प्रतिशत

फॉर्म डिजिटल हो पाए हैं। कुल 98.98 प्रतिशत फॉर्म बंट चुके हैं।

विभिन्न मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल के नदिया में बीएलओ रिंकू का शव घर की छत से लटका मिला। सुसाइड नोट भी मिला। राज्य में एसआईआर से जुड़ा दूसरा सुसाइड, तीसरी मौत है। राजस्थान के जयपुर में रविवार को बीएलओ मुकेश जांगिड़ (48) ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी। करौली में बीएलओ की मौत। सवाई माधोपुर में एक बीएलओ को हार्ट अटैक। गुजरात में 4 दिन 4 बीएलओ की मौत अहमदाबाद में फारूक और दाहोद में बचूभाई बीमार, भर्ती होकर उपचार करा रहे हैं। भोपाल में दो बीएलओ को हार्ट अटैक के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया।

महिला बीएलओ ने भी आत्महत्या

पश्चिम बंगाल में एक महिला बीएलओ ने भी आत्महत्या कर ली। मृतकों के परिजनों ने ज्यादा काम और लक्ष्य पूरा करने के दबाव को मौत का कारण बताया है। मप्र के रायसेन में शनिवार को बीएलओ रमाकांत पांडे की मौत हुई। परिजनों ने बताया कि योगेश चार रातों से नहीं सोया था। ऑनलाइन मीटिंग के बाद बेहोश होकर गिरा था। फिर बचाया नहीं जा सका। दमोह के सीताराम गोंड (50) भी फॉर्म भरते समय बीमार। इलाज के दौरान मौत। रायसेन के बीएलओ नारायण सोनी छह दिन से लापता हैं। परिजनों ने कहा, टारगेट, देर रात मीटिंग और निलंबन की चेतावनी से परेशान थे। भोपाल में शनिवार को काम कर रहीं बीएलओ कीर्ति कौशल और मोहम्मद लईक को ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक आया। दोनों भर्ती हैं। 6 नवंबर को दमोह में सड़क हादसे में श्याम शर्मा (45) की मौत। दतिया के उदयभान सिहारे (50) ने 11 नवंबर को खुदकुशी की।

टूर्नामेंट में पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया को भी हराया

भारत ने पहला ब्लाइंड विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप जीता, नेपाल को 7 विकेट से फाइनल हराया

एजेंसी| नेपाल

पहली बार खेले गए ब्लाइंड विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब भारत ने जीत लिया। टीम ने रविवार को कोलंबो में खेले गए फाइनल मुकाबले में नेपाल को 7 विकेट से हराया। भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया था।

पी सारा ओवल स्टेडियम में इंडिया विमेंस टीम ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। नेपाल की टीम 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 114 रन ही बना सकी। भारत की गेंदबाजों ने नेपाल की बैटर्स को एक ही बाउंड्री लगाने दी। इंडिया विमेंस ने फिर 12 ओवर में महज 3 विकेट गंवाकर टारगेट हासिल कर लिया।

फुला सारेन ने 44 रन बनाए

इंडिया विमेंस के लिए फुला सारेन ने 27 गेंद पर 44 रन की नॉटआउट पारी खेली और टीम को चैंपियन बनाया। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल भी 12 ओवर में ही जीत लिया था। तब ऑस्ट्रेलिया विमेंस ने 109 रन बनाए थे, इंडिया विमेंस ने 1 ही विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया था। टीम इंडिया को पूरे टूर्नामेंट में एक भी हार नहीं मिली।

संक्षिप्त खबरें

एयरपोर्ट परिसर में दो बार लेपर्ड देखा गया निगरानी बढ़ाई

पुणे एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे हवाई अड्डा परिसर में एक ही दिन में दो बार तेंदुआ देखे जाने की बात सामने आई है, जिसके बाद अधिकारियों ने परिसर इलाके की निगरानी बढ़ा दी है। एयरपोर्ट अधिकारियों ने उक्त जानकारी शनिवार को देते हुए बताया कि सप्ताह के प्रारंभ में एक ही दिन में दो बार लेपर्ड देखे जाने की सूचना मिली थी। इसी के साथ ही आधिकारिक बयान में बताया गया, कि हवाई अड्डा के अधिकारियों ने वन विभाग को इसकी जानकारी दी, कि जानवर को सबसे पहले 19 नवंबर को सुबह करीब 5.30 बजे और बाद में शाम करीब 7.40 बजे देखा गया था। इस पर वन विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि तेंदुआ पकड़ने के लिए संबंधित जगह पर एक पिंजरा लगाया गया है। इसके साथ ही जंगली जानवर की गतिविधि पर नजर रखने के लिए कैमरे भी लगाए गए हैं। फिलहाल इससे ज्यादा कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है, देखे जाने या पकड़े जाने के बाद ही अन्य जानकारी दी जा सकेगी।

मिजोरम में 2200 करोड़ की नशीली ड्रग्स जप्त

आइजोल एजेंसी। पूर्वोत्तर राज्यों में मिजोरम, एक शांत पहाड़ियों वाले खूबसूरत प्रदेश के रूप में पहचाना जाता था। अब मिजोरम की पहचान नशे के कारोबार को लेकर पूर्वोत्तर राज्यों में बनने लगी है। पिछले कुछ वर्षों में मिजोरम मे नशे का कारोबार बड़ी तेजी के साथ बढा है। मणिपुर में हिंसा के बाद से इस राज्य को नशे के कारोबार का हब बना दिया गया है। म्यांमार के रास्ते से यहां पर बड़ी मात्रा में हेरोइन और मेथा मफेटामाइन ड्रग्स बड़े पैमाने पर आ रही है। मिजोरम के चंफाई, सियाहा, लांग्तलाई, हाथियाल, सेतुअल मैं सबसे ज्यादा नशे का कारोबार हो रहा है। नशे के कारोबारी यहां के युवाओं को तस्करी के लिए कूरियर के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्हें एक ट्रिप के लिए ?10000 दिए जा रहे हैं। जिसके कारण नशे के कारोबार में वह नशेलची बनकर कूरियर बन गए हैं। अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे होने के बाद भी यहां रोजगार और नौकरी का कोई साधन नहीं है।

केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुन्देलखंड में बहेगी विकास की गंगा

मुख्यमंत्री ने की घोषणा, लांच नदी परियोजना की स्वीकृति, शाहगढ़ में बनेगा सिविल अस्पताल, बण्डा में बनेगा सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम

- दुग्ध उत्पादन को बढावा देने एवं गौशाला खोलने पर 10 लाख तक का दिया जाएगा अनुदान
- हर जनपद पंचायत क्षेत्र में बनाए जाएंगे वृन्दावन ग्राम एवं गीता भवन
- मुख्यमंत्री ने बण्डा में किया नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण
- 50 करोड़ रुपए से अधिक के 16 निर्माण कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुन्देलखंड के हर खेत को पानी मिलेगा। इससे क्षेत्र में समृद्धि आएगी। किसान अपने खेतों को समृद्ध बनायें और किसी हालत में अपनी कृषि भूमि न बेचें। केन-बेतवा लिंक परियोजना से आने वाला समय कृषि के लिये बहुत लाभकारी होगा। मुख्यमंत्री ने कहा है कि किसानों का सर्वांगीण विकास सरकार की प्राथमिकता है। मध्यप्रदेश में खेती के साथ साथ पशुपालन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। पशुपालन के माध्यम से दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गौशाला खोलने के लिए अनुदान राज्य सरकार दे रही है। मध्यप्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में नंबर वन बनाने का कार्य किया जाएगा। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढाने के लिए 25 गायों

के साथ गौशाला खोलने पर 40 लाख रुपए में से 10 लाख तक का अनुदान देने का कार्य मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को सागर जिले की तहसील बण्डा में सांदीपनि विद्यालय भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 50.65 करोड़ रुपए के 16 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। साथ ही सागर जिले की बहुप्रतीक्षित लांच नदी परियोजना की स्वीकृति की घोषणा की। शाहगढ़ में सिविल अस्पताल बनाने, बण्डा में सर्वसुविधा युक्त स्टेडियम, सिविल अस्पताल, बण्डा में पोस्टमार्टम हाउस, बण्डा क्षेत्र में राखसी, चकेरी, विनेयका में भवन विहीन स्कूलों के लिए भवन बनाने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को देश का नम्बर वन प्रांत बनाने के लिए सभी तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। दानवीर डॉ. हरीसिंह गौर द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाया गया। विद्यार्थियों के हित में वीरांगना अवंति बाई लोधी विश्वविद्यालय प्रारंभ कर नई सुविधा उपलब्ध करवाई गई। शीघ्र ही कृषि के क्षेत्र में बुंदेलखंड पंजाब और हरियाणा को पीछे छोड़ देगा। सागर जिले सहित सागर संभाग के सभी जिलों में विकास की गंगा बहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि तहसील मुख्यालय बण्डा में आज लगभग 31 करोड़ रुपए की लागत से नव निर्मित सर्वसुविधा युक्त सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण किया गया है। इस विद्यालय में सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा है कि बण्डा क्षेत्र में सर्वसुविधा युक्त स्कूल भवन के निर्माण से इस क्षेत्र के विद्यार्थियों को सीधा लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा है कि बण्डा में बने सांदीपनि विद्यालय का भवन बहुत ही अद्भुत और सर्व-सुविधा युक्त है। सांदीपनि विद्यालय परियोजना मध्यप्रदेश शासन की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विज़न के साथ प्रारंभ की गई है।

उत्कृष्ट प्रतिभागियों का सम्मान और हितलाभ वितरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बण्डा में आयोजित समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुंदेली वाद्ययंत्र और बुंदेली प्रस्तुतियां प्रस्तुत करने वाले कलाकारों की सराहना की। उन्होंने कलाकारों को गले लगाकर आशीर्वाद दिया।

प्रदर्शनी का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सागर जिले के बंडा में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया जहां उन्होंने जैविक खेती की सराहना की। साथ ही उन्होंने किसान भाइयों से हैप्पी सीडर एवं सुपर सीडर की उपयोग करने की अपील भी की, जिससे नरवाई का प्रबंध सही प्रकार से हो सकेगा और वायु प्रदूषण भी नहीं होगा। उन्होंने बण्डा वृहद सिंचाई परियोजना, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, आत्म निर्भर भारत प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना, एक जिला-एक उत्पाद, समग्र शिक्षा संचालित योजनाओं द्वारा लगाई गई प्रर्शनी का अवलोकन किया। साथ ही स्व-सहायता समूह की महिला सदस्यों द्वारा मिलेट से बनाई गई खाद्य सामग्री का स्वाद चखा।

प्रदूषण के कारण बढ़ रही प्रीमेच्योर डिलीवरी अब गर्भवती और नवजात शिशुओं पर भी असर

एजेंसी| नई दिल्ली

हरियाणा में वायु प्रदूषण का असर अब गर्भवती व नवजात शिशुओं पर भी पडने लगा है। प्रीमेच्योर डिलीवरी की संख्या बढ़ने लगी है। यह दावा पीजीआई रोहतक के गायनी विभाग की अध्यक्ष डॉ. पुष्पा दहिया ने किया है। उन्होंने बताया कि यहां एक साल में 13,500 की डिलीवरी हुई। इनमें से 18 प्रतिशत यानि 2430 बच्चे प्रीमेच्योर हुए। इसका मुख्य कारण प्रदूषण भी है क्योंकि हवा में घुला जहर सांसों के जरिए शरीर में जा रहा है। यह खून में मिलकर गर्भस्थ शिशु तक पहुंच रहा है। हवा की खराब गुणवत्ता के कारण खांसी-जुकाम व अस्थमा की समस्या बढ़ गई हैं। यह स्थिति गर्भवती के लिए नुकसानदायक है। ज्यादा खांसी का भी गर्भ पर असर पड़ता है। ये सभी कारण बच्चे के समय से पहले जन्म लेने का कारण बनते हैं। इसके अलावा हाई ब्लड प्रेशर, मधुमेह, मलेरिया, डेंगू होने पर भी समय से पहले बच्चे के जन्म लेने की संभावना रहती है। डॉ. दहिया के मुताबिक 36 सप्ताह से पहले जन्म लेने वाले बच्चे को प्रीमेच्योर कहा जाता है। कई बच्चे 28 सप्ताह से पहले, 28 से 32 सप्ताह के बीच और 37 सप्ताह से पहले जन्म ले रहे हैं। इनमें से सिर्फ 34 से 36 सप्ताह के बीच पैदा होने वाले बच्चों को ज्यादा समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है।

सड़क किनारे खड़े युवकों पर चढ़ी बस चारों की मौत: सागर के रहली में हादसा

मृतकों में दो सगे भाई, एक इकलौता बेटा

नगर प्रतिनिधि | सागर

सागर में निजी बस ने सड़क किनारे खड़े युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में सभी की मौत हो गई। इनमें दो सगे भाई थे। एक्सीडेंट रहली थाना इलाके के अनंतपुरा गांव के पास हुआ है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक उछलकर काफी दूर जा गिरे। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

पुलिस के अनुसार, युवक अनंतपुरा गांव से सिमरिया हर्राखेड़ा की ओर जा रहे थे। रास्ते में सड़क किनारे खड़े हो गए। बस सिमरिया से होते हुए दमोह जा रही थी। हादसे में शिवम पिता रामचरण पाल (18), सत्यम पिता रामचरण पाल (17), प्राशू उर्फ प्रशांत पिता खुमान पाल (14) और उमेश पिता चेतू पाल (16) की मौत हो गई।

मृतकों के परिवार से मिले विधायक

हादसे की सूचना मिलते ही देवरी विधायक बृजबिहारी पटेरिया घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी। विधायक पटेरिया ने बताया कि वे बंडा में होने वाले मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे, लेकिन घटना की खबर मिलते ही वहीं से लौटकर मौके पर पहुंच गए। विधायक ने कहा कि एक ही परिवार के चार बच्चों की दर्दनाक मौत बेहद दुखद है।

पूर्व आबकारी-आयुक्त के घर छापा

छत्तीसगढ़ के 20 ठिकानों पर एसीबी-ईओडब्ल्यू की रेड

एजेंसी| नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, कोंडागांव और अंबिकापुर में एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीमों ने छापेमारी की है। आबकारी और डीएमएफ से जुड़े मामलों की जांच आगे बढ़ाते हुए टीमों ने रविवार तडके करीब 20 ठिकानों पर एक साथ दबिश दी। रायपुर में लॉ-विस्टा कॉलोनी में कारोबारी और सप्लायर हरपाल अरोरा के निवास पर भी कार्रवाई हुई। दुर्ग जिले के भिलाई में पूर्व आबकारी आयुक्त निरंजन दास के ठिकानों पर छापेमारी की गई है। जहां अधिकारी आवश्यक दस्तावेजों की पड़ताल कर रहे हैं। वहीं धमतरी की पूर्व विधायक जया बेन दोषी के पोते केतन दोषी के महालक्ष्मी ग्रीस स्थित घर में भी दबिश दी। केतन रियल एस्टेट कारोबार से जुड़े हैं। यहां करीब 4 घंटे तक जांच के बाद टीम कुछ दस्तावेज अपने साथ ले गई। इसके अलावा सरगुजा में ईओडब्ल्यू-एसीबी की टीम ने पशु चिकित्सक डॉ. तनवीर अहमद और अंबिकापुर के सत्तीपारा निवासी सप्लायर अमित अग्रवाल के ठिकानों पर रेड की।

प्रदेश में जज ही सुरक्षित नहीं तो न्याय व्यवस्था कैसे सुरक्षित मानी जाएगी

जजों पर हमले से चीफ जस्टिस नाराज, सरकार से मांगी नई स्टेटस रिपोर्ट

नगर प्रतिनिधि | जबलपुर

मध्य प्रदेश में प्रदेश की निचली अदालतों में पदस्थ जजों पर हो रही घटनाओं पर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने सख्त रुख अपनाया है। इस पर हाईकोर्ट ने जजों पर हो रहे हमलों को लेकर राज्य सरकार से जबाब मांगा। सरकार से मिले मिले जवाब से कोर्ट संतोष नहीं है और नई स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि जब जज ही सुरक्षित नहीं तो न्याय व्यवस्था कैसे सुरक्षित मानी जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2016 से

लेकर 2025 तक पांच जजों पर धमकी और हमले के पांच मामले सामने आए हैं जिसमें एक में थाना प्रभारी को निलंबित किया गया और चार आरोपी जेल भेजे गए। इन 9 सालों में प्रदेश के मंदसौर, ग्वालियर, रीवा, अनूपपुर और इंदौर में जजों को धमकी मिल चुकी है। कोर्ट ने 4 दिसम्बर को अगली सुनवाई तय की है और राज्य सरकार से जबाब मांगा है। जबलपुर हाईकोर्ट ने मध्य प्रदेश में जजों पर हो रहे हमलों और अपराधों पर कड़ी नाराजगी जताई है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा की बेंच ने सरकार से इन घटनाओं पर जवाब मांगा है। हाईकोर्ट प्रदेश के सभी जिला सत्र न्यायालयों और वहां पदस्थ जजों की सुरक्षा को लेकर गंभीर है और जिला स्तरीय निगरानी समिति की रिपोर्टों के आधार पर सरकार को जरुरत निर्देश दिए हैं, ताकि न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा को मजबूत किया जा सके।

भोपाल में 15 दिन चली कोल्ड वेव; पचमढ़ी में पारा 6.2 डिग्री पहुंचा

मप्र में अगले 5 दिन शीतलहर से राहत, कोहरा रहेगा

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मध्यप्रदेश में अगले 5 दिन तक कोल्ड वेव यानी, शीतलहर और कड़ाके की ठंड से राहत मिलेगी, लेकिन सुबह घना कोहरा छाएगा। ऐसे में एक्सपर्ट ने लोगों को कोहरे में सुरक्षित ड्राइविंग करने की सलाह दी है। वहीं, मौसम विभाग ने हेल्थ और फसलों को लेकर एडवाइजरी भी जारी की है।

प्रदेश में 6 नवंबर से ही कड़ाके की ठंड का दौर शुरू हो गया था। आम तौर पर नवंबर के दूसरे पखवाड़े से तेज ठंड पड़ती है, लेकिन इस बार पहाड़ी राज्य-हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में समय से पहले बर्फबारी हो गई। इस वजह से बर्फीली हवाओं से एमपी भी कांप उठा।

भोपाल में लगातार 15 दिन तक शीतलहर चली। शनिवार रात में कोहरा छाया रहा। रिकॉर्ड के अनुसार, साल 1931 के बाद शीतलहर के यह सबसे ज्यादा दिन है। दूसरी ओर, यहां रात का पारा 5.2 डिग्री तक पहुंच गया, जो ओवरऑल रिकॉर्ड भी रहा। इंदौर में भी 25 साल का रिकॉर्ड टूट गया। हालांकि, पिछले दो दिन से तेज ठंड से राहत है, लेकिन भोपाल-इंदौर समेत कई शहर ऐसे हैं, जहां रात का पारा 10 डिग्री से कम ही है।

कई शहरों में 100 मीटर के बाद देखना भी मुश्किल

कड़ाके की ठंड से राहत मिलने के बाद अब घना कोहरा भी छाने लगा है। कई जगहों पर तो 100 मीटर के बाद दूर नहीं दिखा। शनिवार को शाजापुर में घना कोहरा छाया। अकोदिया, शुजालपुर क्षेत्र में सुबह विजिबिलिटी 100 मीटर तक ही रही। इससे गाड़ियों की हेड लाइटें चालू रही। मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल, दतिया, इंदौर, जबलपुर में 1 हजार मीटर तक विजिबिलिटी रही। गुना, ग्वालियर, सतना, रीवा, खजुराहो में 500 से 1 हजार मीटर विजिबिलिटी दर्ज की गई।

संपादकीय

टीबी खत्म होना था 2025 तक, लेकिन बढ़ गए डेढ़ गुना मरीज

यह बेहद चिंताजनक है कि जहां देश में लक्ष्य के मुताबिक इस वर्ष तक तपेदिक को खत्म हो जाना चाहिए था, वहीं इसमें और ज्यादा बढ़ोतरी होती देखी जा रही है। ऐसा लगता है कि तपेदिक के उन्मूलन के लिए जो नीतिगत कसौटियां तय की गईं, उसे लागू करने को लेकर या तो लापरवाही बरती गई या फिर वे व्यावहारिक नहीं थीं। गौरतलब है कि सूचना के अधिकार कानून के तहत केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के क्षय रोग प्रभाग ने बताया कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2025 तक तपेदिक यानी टीबी रोग को खत्म करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन आज हालत यह है कि पिछले पांच वर्ष में इस रोग के मरीजों की संख्या में डेढ़ गुना की खासी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सन 2020 में जहां देश में टीबी के रोगियों की संख्या अठारह लाख पांच हजार छह सौ सत्तर थी, वहीं 2024 में इस संक्रामक बीमारी का शिकार होने वाले मरीजों की तादाद बढ़ कर छब्बीस लाख सत्रह हजार नौ सौ तेईस हो गई। सवाल है कि टीबी रोग के उन्मूलन के लिए जो नीतियां अपनाई गईं या 'निक्षय पोषण योजना', मुफ्त दवा और इलाज की सुविधाओं जैसे उपाय किए गए, उनमें कहां कमी रह गई कि आज खत्म होने के बजाय तपेदिक के मामलों में डेढ़ गुना तक का इजाफा हो गया। तपेदिक एक संक्रामक रोग है। इसीलिए इसकी जद में आने वाले व्यक्ति के इलाज को लेकर ज्यादा संवेदनशीलता बरती जाती है। समय पर इस रोग की पहचान और उसके इलाज की शुरुआत इसके संक्रमण की आशंकाओं को कम करता है तथा मरीज के पूरी तरह ठीक होने की संभावना बनती है। इसमें जरा भी लापरवाही से न केवल किसी मरीज की स्थिति बिगड़ सकती है, बल्कि अन्य लोगों के बीच इसके फैलने का जोखिम पैदा हो सकता है। विडंबना यह है कि जागरूकता के अभाव में न केवल आम लोग इस रोग के शुरुआती लक्षणों की अनदेखी करते हैं, बल्कि इसके मरीजों के प्रति सामाजिक उपेक्षा की वजह से भी स्थिति बिगड़ती है।

विचार

शराब की लुभावनी पैकेजिंग के खतरे एवं सुप्रीम कोर्ट की चिंता

ललित गर्ग

हाल ही में देश की शीर्ष अदालत ने शराब की पैकेजिंग को लेकर जो गंभीर टिप्पणी की है, वह केवल कानूनी हस्तक्षेप नहीं बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाली चेतावनी है। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि शराब को इस तरह आकर्षक और लुभावना बनाकर प्रस्तुत करना सार्वजनिक स्वास्थ्य के साथ-साथ संस्कृति एवं सामाजिक के साथ खिलवाड़ है। चमकीली बोतलें, विदेशी डिजाइन, चटकदार रंग और ग्लैमरस बॉक्स-ये सब रणनीतियां लोगों को, विशेषकर युवाओं को, महिलाओं को शराब की ओर खींचने का साधन बन चुकी हैं।

शराब की यह भ्रामक एवं बाजारवादी पैकेजिंग एक गंभीर एवं नया खतरा है। यह प्रवृत्ति केवल बाज़ार का विस्तार नहीं बल्कि पूरे समाज के स्वास्थ्य, नैतिकता और मानसिक संतुलन पर गहरा हमला है। जन-स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली शराब कम्पनियों की दुराग्रही सोच एवं गुमराह करने वाली पैकिंग एक आपराधिक कृत्य है। जूस पैक जैसे दिखने वाले टेट्रा पैक में बेची जा रही शराब अनेक खतरों को आमंत्रण है। आज जब देश शराब की वजह से होने वाली बीमारियों, दुर्घटनाओं, हिंसा, पारिवारिक विघटन और मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, तब शराब को फैशनेबल बनाकर बेचना एक बहुत बड़ा खतरा बन जाता है। शराब कंपनियों ने पैकेजिंग को आधुनिकता, प्रतिष्ठा और स्टाइल से जोड़ दिया है, जिससे युवा वर्ग इसे किसी उपलब्धि जैसा मानने लगा है।

सामाजिक और मनोवैज्ञानिक रूप से यह पैकेजिंग व्यक्ति के मन में यह भ्रम पैदा करती है कि शराब पीना आधुनिकता का प्रतीक है, जबकि वास्तविकता यह है कि शराब हर रूप में शरीर और मन के लिए घातक ज़हर है। शराब के घातक एवं दुष्प्रभाव किसी से छिपे नहीं हैं। यह धीरे-धीरे शरीर को भीतर से खोखला करते हुए नशे की अंधी गलियों में धकेल देती है। लिवर सिरोसिस, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, कैंसर, मानसिक असंतुलन, अवसाद और नींद की गंभीर समस्याएं शराब सेवन की सीधी देन हैं। सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले हजारों लोग शराब पीकर गाड़ी चलाने के कारण अपनी जान गंवाते हैं। घरेलू हिंसा, अपराध और परिवारों के टूटने में शराब की भूमिका लंबे समय से प्रमाणित है। ऐसे में शराब को आकर्षक पैकेजिंग में परोसना मानो लोगों को स्वेच्छा से विनाश के रास्ते

पर भेजने जैसा है। सुप्रीम कोर्ट ने इसीलिए चिंता जताई है कि शराब की बोतलों की पैकिंग ऐसी नहीं होनी चाहिए जो उपभोक्ता को उसकी वास्तविक हानियों से दूर ले जाए। चेतावनियां अक्सर बोतल के किनारे इस तरह लगाई जाती हैं कि वे दिखती ही नहीं। कंपनियां स्वास्थ्य चेतावनियों को ढककर अपने उत्पाद की सुंदरता को आगे करती हैं।

यह न केवल अनैतिक है बल्कि स्वास्थ्य संबंधी नीतियों की मूल भावना के भी विरुद्ध है। जब सरकार तंबाकू पर बड़ी और भयावह चेतावनियों को अनिवार्य कर चुकी है, तो शराब जिसका स्वास्थ्य पर प्रभाव कई मामलों में उतना ही विनाशकारी है, उसकी पैकेजिंग पर भी समान कठोर नियम लागू होना चाहिए। समाज में शराब की बढ़ती स्वीकृति का बड़ा कारण यह भी है कि शराब उद्योग ने पैकेजिंग को ही आकर्षक विज्ञापन का माध्यम बना दिया है। जहां शराब विज्ञापन पर कानूनी रोक है, वहां कंपनियां रंगीन बोतलों और खूबसूरत बॉक्सों को ही प्रचार का तरीका बना लेती हैं। यह परोक्ष विज्ञापन है, जो कानून की भावना का उल्लंघन करता है और युवाओं को नशे की ओर ले जाता है। ऐसे में सादे, सरल और सामान्य पैकेजिंग की दिशा में कदम बढ़ाना आवश्यक है, ताकि शराब किसी लक्ज़री उत्पाद की तरह न दिखे, बल्कि उसका स्वरूप ही लोगों को चेतावनी देने वाला बने।

यह भी चिंताजनक है कि शराब उद्योग का उद्देश्य केवल बिक्री बढ़ाना है, भले ही उससे समाज कितना भी प्रभावित क्यों न हो। वे यह नहीं देखते कि शराब कितने घर बर्बाद कर रही है, कितने लोग बीमार हो रहे हैं और कितनी जिंदगियां संकट में हैं। इस मानसिकता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई बेहद आवश्यक है। शराब की ग्लैमरस पैकेजिंग पर रोक लगाने से न केवल उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि समाज में नशामुक्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण वातावरण भी बनेगा। सरकारों के लिये राजस्व का बड़ा जरिया शराब है, इसलिये सरकारें भी शराब के खिलाफ खुलकर सामने नहीं आती। सुप्रीम कोर्ट की इस चेतावनी को केवल उद्योगों के लिए ही नहीं, बल्कि सरकार, समाज और परिवारों के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश के रूप में देखा जाना चाहिए। शराब किसी भी रूप में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और उसे आकर्षक बनाकर बेचना मानव जीवन के मूल्य को कम करना है। आज आवश्यकता है कि शराब की पैकेजिंग को नियंत्रित किया जाए, उसे सामान्य और गैर-आकर्षक बनाया जाए, स्पष्ट चेतावनियां लिखी जाएं और शराब को समाज में सम्मानजनक स्थान देने वाली प्रवृत्तियों पर रोक लगे। सरकार को भी स्वस्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ऐसे कानून बनाने चाहिए जो शराब उद्योग की विपणन चालों को सीमित करें। आज शराब का प्रसार केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक विघटन का बड़ा कारण बनता जा रहा है। शराब से जुड़े अपराधों और हिंसा की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है, विशेषकर महिलाओं के प्रति अत्याचार, घरेलू हिंसा, आर्थिक शोषण और मानसिक प्रताड़ना का बड़ा कारक शराब ही बन रही है। अनेक अध्ययन बताते हैं कि महिलाओं के खिलाफ होने वाली लगभग आधी हिंसक घटनाओं में शराब प्रमुख भूमिका निभाती है। नशे में धुत्त पुरुष अक्सर पारिवारिक तनाव, गुस्से और असंतुलन के कारण महिलाओं पर अत्याचार कर बैठते हैं, जिससे न केवल उनका आत्मसम्मान टूटता है बल्कि पूरा परिवार भय, असुरक्षा और अपमान के वातावरण में जीने को मजबूर हो जाता है। शराब का यह प्रभाव किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं, बल्कि ग्रामीण से शहरी, गरीब से सम्पन्न वर्ग तक फैल चुका है और इसे अनदेखा करना अब समाज के लिए संभव नहीं। चिंता का विषय यह भी है कि शराब अब केवल बार या नाइट क्लबों तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक अवसरों-शादियों, जन्मदिनों, दफ्तर की पार्टियों, त्योहारों, यहां तक कि छोटे सामाजिक समारोहों में भी परोसी जाने लगी है। शराब को सामाजिकता का हिस्सा और आधुनिकता का प्रतीक बताकर जिस तरह से उसकी पैठ बढ़ाई जा रही है, वह एक खतरनाक सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत है।

राजनीतिक

दिल्ली को वैश्विक कूटनीति का केंद्र बनने से रोकने के लिए...

नीरज कुमार दुबे

ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को नई ऊँचाइयाँ देने और इंडो-पैसिफ़िक में रणनीतिक सहयोग को मज़बूत करने के उद्देश्य से दिल्ली पहुँची थीं। पर विडंबना यह रही कि जिस राष्ट्रीय राजधानी से साझेदारी की गूँज पूरी दुनिया तक पहुँचनी चाहिए थी, वही दिल्ली अपने प्रदूषण संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय चर्चा का केंद्र बन गई। एक सार्वजनिक कार्यक्रम में वोंग को बार-बार खाँसते हुए अपना भाषण रोकना पड़ा और उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह यहाँ की हवा से जूझ रही हैं।

यह दृश्य भारत-ऑस्ट्रेलिया सहयोग की प्रगाढ़ता की बजाय दिल्ली की हवा की भयावहता को वैश्विक सुर्खियों में ले गया। जिस मंच से रणनीतिक एकजुटता और साझा दृष्टि का संदेश दुनिया तक जाना था, वहाँ से अब भारत की राजधानी के प्रदूषण का अटकता-खँखारता संदेश दुनिया भर में गूँज रहा है—मानो कूटनीतिक संवाद को दिल्ली की धुंध ने निगल लिया हो। यह क्षण न सिर्फ़ पर्यावरणीय चुनौती को उजागर करता है बल्कि यह भी याद दिलाता है कि वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा रखने वाली किसी भी राजधानी को अपनी सांसों की गुणवत्ता के लिए भी जवाबदेह होना पड़ता है।

हम आपको बता दें कि पेनी वोंग और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के संवाद में रक्षा सहयोग, साइबर सुरक्षा, सामुद्रिक साझेदारी, रणनीतिक तकनीक, विश्वविद्यालयों के बीच रिश्ते और अंतरिक्ष कार्यक्रम, ये सभी मुद्दे विस्तृत रूप से शामिल थे। ऑस्ट्रेलिया द्वारा भारत के गगनयान मिशन को समर्थन और भविष्य में भारत से ऑस्ट्रेलियाई उपग्रह के प्रक्षेपण की योजना जैसे कदम इस रिश्ते को एक नयी ऊँचाई प्रदान करते हैं। देखा जाये तो इंडो-पैसिफ़िक में दोनों देश खुद को लोकतांत्रिक स्तंभ के रूप में स्थापित कर रहे हैं। दोनों देश ऐसे स्तंभ के रूप में उभर रहे हैं जो चीन की अस्थिर आक्रामकता, समुद्री तनाव और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच स्थायित्व प्रदान करें। पेनी वोंग ने कहा भी कि भारत-ऑस्ट्रेलिया साझेदारी पहले से कहीं अधिक प्रभावशाली और निर्णायक हो चुकी है। लेकिन यह पूरा कूटनीतिक प्रयास एक अप्रत्याशित बाधा से टकरा गया यानि दिल्ली की हवा से। यह वह क्षण था जिसने दुनिया का ध्यान खींच लिया। सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान वोंग अपने भाषण का मात्र कुछ हिस्सा ही पढ़ पाईं। लगातार खाँसते हुए उन्हें कहना पड़ा— Obviously I am struggling with the air here. यह वाक्य भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों के महत्व से अधिक दिल्ली की हवा के खतरों की पहचान बन गया। यह स्थिति केवल स्थानीय समस्या नहीं थी, यह विदेशी प्रतिनिधियों के सामने भारत की राजधानी की एक असहज तस्वीर पेश कर रही थी।

दुनिया ने इस घटना को सिर्फ़ एक मंत्री की परेशानी के रूप में नहीं देखा, बल्कि इसे भारतीय महानगरों की पर्यावरणीय विफलताओं के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया। जिस शहर से भारत और ऑस्ट्रेलिया की रणनीतिक साझेदारी का संदेश गूँजना चाहिए था, उस शहर से दुनिया तक हवा की जहरीली चेतावनी पहुँच गई। देखा जाये तो किसी देश की राजधानी उसके राष्ट्रीय चरित्र का प्रतिनिधित्व करती है। जब विदेशी नेता वहाँ आते हैं, तो केवल नीतियाँ और वार्ताएँ ही नहीं देखते; वे बुनियादी निवास स्थितियों, शहरी कार्यक्षमता और जीवन स्तर का भी आकलन करते हैं।

जब भारत की राजधानी में एक विदेशी मंत्री को भाषण रोकना पड़े, तो यह केवल स्वास्थ्य या मौसम का मुद्दा नहीं रह जाता, यह एक कूटनीतिक संदेश बन जाता है। अंतरराष्ट्रीय निवेशकों, निर्णायक मंचों और वैश्विक भागीदारों के लिए यह संकेत सुखद नहीं होता। यह प्रश्न उठता है कि भारत, जो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में वैश्विक भूमिका निभाना चाहता है, वह अपनी राजधानी को सांस लेने लायक बनाने में अब तक सफल क्यों नहीं हुआ। दिल्ली का प्रदूषण मौसम, भूगोल या स्थानीय व्यवहार का परिणाम भर नहीं है, यह नीति-निर्माण की जटिलताओं, राज्यों के बीच समन्वय की कमी, कृषि-अवशेष प्रबंधन की विफलता, तेज़ी से फैलते शहरीकरण और दीर्घकालिक योजनाओं के अभाव की कहानी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है, क्वॉड, इंडो-पैसिफ़िक, जी-20 नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में उसकी सक्रिय भूमिका इसका प्रमाण हैं। ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत की साझेदारी क्षेत्रीय स्थिरता की धुरी बन रही है। लेकिन वैश्विक मंच पर मजबूती तभी सार्थक है जब घरेलू आधार मजबूत हो। दिल्ली जैसा महानगर यदि हर शरद ऋतु गैस चैंबर में बदल जाए तो यह भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पर सीधा असर डालता है। पेनी वोंग का वह क्षण याद दिलाता है कि आज दुनिया केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि पर्यावरणीय प्रबंधन को भी नेतृत्व की कसौटी मानती है। स्वच्छ हवा अब कूटनीतिक शक्ति का भी एक कारक बन चुकी है।

बहरहाल, भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों की गहराई, सामरिक महत्त्व और भविष्य का विस्तार निर्विवाद है। दोनों देश इंडो-पैसिफ़िक में स्थिरता, सहयोग और लोकतांत्रिक मूल्यों के वाहक बन सकते हैं। लेकिन इस यात्रा में दिल्ली का प्रदूषण एक कटु स्मरण है कि घरेलू समस्याएँ अक्सर अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को कमजोर कर देती हैं।

सुविचार

प्रतिभा का अर्थ है बुद्धि में नई कोपलें फूटते रहना। नई कल्पना, नया उत्साह, नई खोज और नई स्फूर्ति प्रतिभा के लक्षण हैं।

- विनोबा भावे

राशिफल

मेष	आपके अंदर दिनभर ऊर्जा और उत्साह बरकरार रहेगा. कार्यक्षेत्र में आज के दिन नए तरह के अवसरों की प्राप्ति हो सकती है.
वृष	वृषभ राशि वालों को आज के दिन गलतफहमियों से बचने की कोशिश करें. कामकाज में अनुशासन की जरूरत होगी. आर्थिक मामलों में आज संपन्नता आएगी.
मिथुन	राशि वालों के लिए आज का दिन जोश और उत्साह से भरा रहेगा. आज के दिन आपके मन में सकारात्मक भाव बना रहेगा.
कर्क	राशि वालों को आज के दिन सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा. आज के दिन नए लोगों से मेल-मिलाप करने का अवसर आपको मिलेगा.
सिंह	सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन नेतृत्व कौशल महत्व बढ़ेगा. कार्यक्षेत्र में आपकी सक्रियता और निर्णय क्षमता में सराहनीय होगी.
कन्या	मन अशांत और दुखी रह सकता है. कार्यस्थल पर आपको ज्यादा मेहनत और अनुशासन के साथ काम करना होगा.
तुला	राशि वालों को आज के दिन अपने विरोधियों से ज्यादा सतर्क रहना होगा. नहीं तो वह आपकी परेशानियों को बढ़ सकते हैं.
वृश्चिक	राशि वालों को आज का दिन उनके जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव और परिवर्तन का दिन होगा. आपको कार्यक्षेत्र में नए तरह के प्रयासों की सराहना की जाएगी.
धनु	आज का दिन धनु राशि वालों के लिए जोश, उत्साह और आत्मविश्वास भरपूर रहेगा. ग्रहों के योग का आपको अच्छा लाभ मिलेगा.
मकर	राशि वालों के लिए आज का दिन चुनौतियों और नए तरह के अवसरों से भरा हुआ होगा. कार्यक्षेत्र में आपको धैर्य और संयम से काम लेना होगा.
कुंभ	राशि वालों को आज के दिन कार्यक्षेत्र में नई तरह की जिम्मेदारियां मिल सकती हैं. काम के संबंध में आज आपको ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है.
मीन	राशि वालों के लिए आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरा हुआ होगा. कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी.

खतरनाक है आतंकवाद का बदलता रूप

योगेश कुमार गोयल

भारत को अब जिस नए तरह के आतंक का सामना करना पड़ रहा है, वह सीमा-पार से नहीं बल्कि क्लासरूम, लैब और अस्पतालों के भीतर से जन्म ले रहा है। आतंकवाद का रूप अब बदल चुका है। वह अब सीमापार की घुसपैठ, जंगलों में छिपे गिरोहों या हथियारबंद टुकड़ियों तक सीमित नहीं है बल्कि इसकी जड़ें उन सफेदपोश और शिक्षित लोगों तक पहुंच चुकी हैं, जिन्हें समाज सम्मान की दृष्टि से देखता था। आतंक का नया चेहरा वह है, जो लैब कोट पहनता है, रिसर्च पेपर लिखता है, अस्पताल में ड्यूटी करता है, मेडिकल कॉलेज में पढ़ता है और आईटी कंपनियों में काम करता है। यही है 'व्हाइट कॉलर टेरर', जो भारत की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी और सबसे खतरनाक चुनौती बन गया है। 'व्हाइट कॉलर टेरर' यानी शिक्षित, तकनीकी दक्ष और समाज में सम्मानित वे लोग, जो कट्टरपंथ की डिजिटल फैक्ट्रियों में वाहक बनते जा रहे हैं। दिल्ली के लाल किले के पास विस्फोट और डॉक्टरों के बड़े मॉड्यूल का पकड़ा जाना इस नई साजिश का सबसे भयानक संकेत है। ये न आतंकी दिखते हैं, न किसी पर संदेह होता है। लाल किले के पास कार में हुए विस्फोट में 11 लोग मारे गए और कई घायल हुए। विस्फोटक कार के चालक की पहचान जब सामने आई तो देश स्तब्ध रह गया क्योंकि वह कोई अपराधी, कोई पुराना संदिग्ध या किसी गिरोह का सदस्य नहीं बल्कि डॉक्टर था। पुलवामा का रहने वाला युवक उमर मोहम्मद उन तीन डॉक्टरों का साथी निकला, जिनके पास से फरीदाबाद में लगभग 3000 किलो विस्फोटक और हथियार बरामद हुए थे। यह कोई साधारण संयोग नहीं बल्कि एक बेहद गहरी और सुनियोजित आतंकवादी साजिश की परतें खोलने वाला तथ्य है। डॉक्टर मुजम्मिल, डॉक्टर आदिल और डॉक्टर शाहीन, ये तीनों उस गिरोह के केंद्र में थे, जो देश की राजधानी में बड़े पैमाने पर जनसंहार की योजना बना रहा था। इन सभी की प्रोफैशनल पहचान ने इतना मजबूत आवरण तैयार कर दिया था कि कोई इन्हें शक की निगाह से देख ही नहीं सकता था। इसी मॉडल का चौथा सदस्य डॉक्टर मोहिउद्दीन गुजरात पुलिस के आतंकवाद-निरोधक दस्ते की गिरफ्त में आया। चीन से मेडिसिन की पढ़ाई कर लौटे इस युवक को राइसिन जैसा घातक जहर तैयार करते हुए पकड़ा गया, जो एक ही बार में सैंकड़ों लोगों की जान ले सकता था। यह घटनाएं पहली नहीं हैं लेकिन निश्चित रूप से सबसे खतरनाक हैं। पुणे का डॉक्टर अदनान अली सरकार हो या बेंगलुरु की बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत इंजीनियर अथवा आईटी प्रोफैशनल्स, पिछले एक दशक में कई उच्च शिक्षित लोग आतंकी संगठनों के लिए काम करते हुए पकड़े जा चुके हैं। ऑनलाइन पहचान छिपाने के लिए फर्जी नाम, छद्म प्रोफाइल, एन्क्रिप्टेड चैट और डार्क वेब समूहों का इस्तेमाल अब इनका सामान्य हथियार बन चुका है। आइएस, अल-कायदा या छोटे स्थानीय मॉड्यूल, ये सभी इस नए वर्ग को अपनी 'बौद्धिक सेना' बनाने में सक्रिय हो चुके हैं। यह धारणा अब पूरी तरह मिथ्या साबित हो चुकी है कि केवल गरीब, वंचित या अशिक्षित लोग ही मजहबी उन्माद या सामाजिक उत्पीड़न के कारण कट्टरपंथी बनते हैं। हाल के वर्षों में आतंक के रास्ते पर चलने वाले लोगों की सूची देखें तो स्पष्ट होता है कि उनमें बड़ी संख्या में डॉक्टर, इंजीनियर, तकनीकी विशेषज्ञ और डिग्रीधारी युवा शामिल हैं। उनकी समस्या न तो आर्थिक है, न सामाजिक बल्कि वैचारिक है। वे इंटरनेट पर उपलब्ध कट्टरपंथी सामग्री, डार्क वेब चैट रूम, टेलीग्राम चैनलों और गहरे धार्मिक उन्माद से प्रेरित वीडियो के माध्यम से धीरे-धीरे विचलित होते हैं और फिर एक ऐसे जाल में फंस जाते हैं, जिसे वे खुद भी कभी समझ नहीं पाते।

अहिंसा का स्वरूप

अध्यात्म

सामान्यतः अहिंसा को निषेधार्थक माना जाता है। 'न हिंसा - अहिंसा' - हिंसा का अभाव अहिंसा है, यह इसकी एकांगी परिभाषा है। इसको सर्वांगीण रूप से परिभाषित करने के लिए इसके विधेयार्थ और निषेधार्थ दोनों को समझना जरूरी है। किसी प्राणी के प्राणों का वियोजन नहीं करना, इस सूत्र का हिंसा के संदर्भ में जितना मूल्य है, उससे भी अधिक मूल्य है किसी भी प्राणी के प्रति अनिष्ट चिंतन के बहिष्कार का। असत् विचार हिंसा है। असत् वचन सा है। जितना कुछ झूठ बोला जाता है, वह हिंसा की प्रेरणा से ही बोला जाता है। असत् चिंतन और असत् वाणी की तरह असत् व्यवहार मात्र हिंसा है, चाहे वह किसी के भी प्रति हो। मनुष्य की प्रवृत्ति सत् और असत् दोनों प्रकार की होती है। जिस प्रवृत्ति के साथ असत् शब्द का योग हो जाता है, वह हिंसा-संवलित ही होती है। दूसरों के प्रति द्वेष की भावना, ईर्ष्या, उन्हें गिराने का मनोभाव और उनकी बढ़ती हुई प्रतिष्ठा को रोकने के सारे प्रयत्न हिंसा में अंतर्गर्भित हैं। दूसरों के मन में भय उत्पन्न करना, उनके सामने दुखद परिस्थितियां उभार देने, उनके विकास के मार्ग में बाधा पहुंचाना आदि प्रवृत्तियां भी हिंसा की परिधि में समाविष्ट हैं। इन प्रवृत्तियों का सर्वथा निरोध अहिंसा का आदर्श है। यह अहिंसा का नेगेटिव पक्ष है। अपने पॉजिटिव पक्ष में अहिंसा समता, मैत्री, संयम आदि उदात्त वृत्तियों से अनुविद्ध है। यहां अहिंसा का वाच्यार्थ न मारने तक की सीमा में आबद्ध नहीं है। जहां यह प्रतिबद्धता जुड़ जाती है, अहिंसा का व्यापक अर्थ एक छोटे-से संदर्भ में समा जाता है। समता का धरातल असीम है। मैत्री की पौध इसी धरातल पर फली-फूली रह सकती है। इससे आत्मौपम्य की भावना जागृत होती है। आत्मतुला की बुद्धि से प्रेरित व्यक्ति कहीं अहिंसा को समझ सकता है और उसका पालन कर सकता है। जो व्यक्ति छोटे और बड़े, अनुकूल और प्रतिकूल हर प्राणी के प्रति समत्व बुद्धि का विकास करता है, वह अहिंसक होता है।

कार्टून

मंत्री सारंग बोले- अरशद मदनी की भी जांच होनी चाहिए:वह भी आतंकवाद-देशद्रोह से जुड़ा

भोपाल। अल-फलाह यूनिवर्सिटी पर हुई कार्रवाई को लेकर जमीयत उलेमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी के विवादित बयान ने राजनीतिक माहौल गर्मा दिया है। मदनी ने सहारनपुर में कहा था कि सरकार सुनियोजित रूप से मुस्लिम संस्थानों को निशाना बना रही है और दावा किया था कि ‟अगर किसी यूनिवर्सिटी का वाइस चांसलर मुसलमान होगा, तो वह जेल ही जाएगा। उनके इस बयान पर मध्य प्रदेश के खेल, युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। सारंग ने कहा, मदनी के इस बयान के बाद उसकी भी पूरी जांच होनी चाहिए। वह भी कहीं-ना-कहीं आतंकवाद और देशद्रोह से जुड़ा हुआ है। मंत्री

सारंग ने आरोप लगाया कि मदनी जानबूझकर देश के माहौल को जहरीला बनाने की कोशिश कर रहे हैं और हर कानूनी कार्रवाई को सांप्रदायिक चश्मे से देखने की आदत बना चुके हैं। उन्होंने कहा कि मदनी जैसे लोग देश की संस्थाओं, न्यायपालिका और सुरक्षा एजेंसियों पर लगातार अविश्वास फैलाकर एक खतरनाक नरेटिव खड़ा कर रहे हैं।

ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की दिलाई याद- सारंग ने याद दिलाया कि देश ने डॉक्टर ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जैसे गौरवशाली मुस्लिम व्यक्तित्वों को सर्वोच्च सम्मान दिया है। उन्होंने कहा भारत में प्रतिभा को धर्म नहीं, काम देखा जाता है। लेकिन मदनी जैसे नेता तुष्टीकरण की राजनीति के सहारे मुस्लिम समाज को डराने और गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस और विपक्ष पर भी निशाना साधा और कहा कि दशकों तक चली मुस्लिम परस्ती और वोटबैंक की राजनीति ने ऐसे नेताओं को बढ़ावा दिया, जो अब हर मुद्दे पर देशविरोधी बयान देकर समाज को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। सारंग ने यह भी कहा कि अल-फलाह यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई कानून के अनुसार हुई है, और यदि किसी संस्था में वित्तीय अनियमितता, अवैध निर्माण या दूसरे गंभीर आरोप होंगे, तो जांच होगी। चाहे वह किसी भी समुदाय से जुड़ी हो। उन्होंने कहा कि कानूनी कार्रवाई को ‟मुस्लिम संस्थाओं पर हमला" बताना सिर्फ राजनीतिक खेल है। मंत्री ने कहा कि मदनी की गतिविधियों की गहन जांच की जाए, ताकि सच सामने आ सके।

मौलाना मदनी बोले- मुसलमान वाइस चांसलर बनेगा, तो जाएगा जेल

दिल्ली में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर सीधा और तीखा हमला बोला। अल-फलाह यूनिवर्सिटी पर हाल ही में हुई कार्रवाई को लेकर मौलाना मदनी ने बेहद विवादित बयान देते हुए कहा कि सरकार सुनियोजित तरीके से मुसलमानों को निशाना बना रही है।

करोंद, दानिशकुंज-पन्ना नगर में कल बिजली कटौती:भोपाल के 20 इलाकों में असर

भोपाल। भोपाल के करीब 20 इलाकों में सोमवार को 4 से 6 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। इसके चलते सप्लाई पर असर पड़ेगा। जिन इलाकों में बिजली बंद रहेगी, उनमें बैरसिया, करोंद, दानिशकुंज, पन्ना नगर, पंचवटी, देवकी नगर समेत कई बड़े इलाके भी शामिल हैं।

ऐसे में बिजली संबंधित जरूरी काम पहले से निपटा लें। ताकि परेशानी का सामना न करना पड़े। इन इलाकों में असर सुबह 10 से शाम 4 बजे तक वेस्टर्न कोर्टयार्ड कॉलोनी, दानिशकुंज-1 और 2, दस दुकान क्षेत्र, फाइन कैम्पस, हरे कृष्ण होम्स, पन्ना नगर एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक देवकी नगर, करोंद, पंचवटी फेस-1 और 2, बैरसिया रोड, कृषि अनुसंधान कॉलोनी एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक तुलसी टावर, पुलिस हाउसिंग, सहाद्री कॉलोनी एवं आसपास।

भोपाल में मेजर ने बुजुर्ग को थप्पड़-मुक्के मारे:कॉलोनी ग्रुप में कमेंट करने से नाराज थे, जान से मारने की धमकी दी; FIR

भोपाल। के दानिश कुंज कोलार में रहने वाले एक बुजुर्ग के साथ पड़ोस में रहने वाले आर्मी में बतौर मेजर पदस्थ विवेक पांडे ने मारपीट कर दी। वे कॉलोनी ग्रुप में उनके खिलाफ कमेंट करने से नाराज थे। पुलिस ने वृद्ध की शिकायत पर मारपीट और धमकाने की FIR दर्ज कर ली है। फिलहाल मेजर की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। एसआई पप्पू कटियार के मुताबिक, 66 वर्षीय गोरेलाल पांडे मकान नंबर डीके 2/99 में रहते हैं और मध्य प्रदेश पाठय पुस्तक निगम के रिटायर्ड कर्मचारी हैं। उनके पड़ोस में विवेक पांडे रहते हैं। विवेक आर्मी में बतौर मेजर पोस्टेड हैं। एसआईआर सर्वे को लेकर उनकी कॉलोनी के ग्रुप में एक पोस्ट डाली गई थी। इस पर बुजुर्ग की ओर से विवेक के नाम को टैग कर कमेंट्स किया गया था। इस कमेंट्स के कुछ समय बाद विवेक उनके घर पहुंचे और गालियां देते हुए चेहरे पर मुक्का मार दिया।

पत्नी से बाहर बुलवाकर पीटा- गोरेलाल के मुताबिक, विवेक ने शनिवार की रात करीब 8 बजे गेट नॉक किया। पत्नी गेट पर पहुंची तो निर्वाचन नामावली चेक करने का बहाना कर मुझे बुलाने को कहा। जैसे ही मैं लॉन में पहुंचा विवेक अंदर घुस आया, उसने मुझे चांटा मारने के बाद मुंह पर मुक्का मार दिया। जमीन पर गिरा दिया और बेरहमी से पीटा, मेरी पत्नी ने मदद के लिए शोर किया, तब आरोपी भाग गया।

जान से मारने की धमकी भी दी- 'हमले में गोरेलाल जबड़े और हाथ पांव में चोट आई हैं। इतना ही नहीं शिकायत करने की हालत में मुझे जान से मारने की धमकी दी। रात 11:30 बजे पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की है। हालांकि आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

इन्दौर स्वच्छता और स्वाद के साथ स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बनाएगा विशेष पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

फिटनेस, सामूहिक चेतना और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित 'वन इन्दौर-रन इन्दौर' मैराथन इन्दौर के लिए गर्व का विषय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इंदौर ने स्वच्छता और स्वाद के क्षेत्र में विश्व में विशेष पहचान बनाई है। आज की मैराथन, इंदौर को स्वास्थ्य क्षेत्र में भी विशेष पहचान देगी। स्वास्थ्य की मूल आधार दौड़ है और दौड़ के लिए इतनी बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हैं। यह इन्दौरवासियों की ऊर्जा और सामूहिक संकल्प शक्ति से शहर के लिए कुछ बेहतर करने की उनकी भावना को प्रकट करती है। सकारात्मक पहल के परिणाम सदैव बेहतर होते हैं। इंदौर इस मैराथन के माध्यम से स्वास्थ्य के क्षेत्र में रिकॉर्ड स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को प्रातः 7 बजे ‟वन इन्दौर-रन इन्दौर" मैराथन के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित इन्दौरवासियों को मुख्यमंत्री निवास भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैराथन के सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए मैराथन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फिटनेस,

सामूहिक चेतना और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित ‟वन इन्दौर-रन इन्दौर" मैराथन का यह भव्य आयोजन इन्दौर शहर के लिए गर्व का विषय है। यह आयोजन यूनाइटेड इन्दौर की भावना को सशक्त करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य इन्दौरवासियों में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना, सामुदायिक एकता को मजबूत करना और फिटनेस को एक जनआंदोलन का रूप देना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपने शहर के लिए इतने संवेदनशील विषय पर आयोजित मैराथन में भौतिक नहीं पर भावनात्मक रूप से वे स्वयं भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रसन्नता का विषय है कि इस कार्यक्रम में 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया है। मैराथन की 3, 5 और 7 किलोमीटर रन की श्रेणियों में दौड़ने के लिए उनकी उपस्थिति इन्दौर की जागरूकता और उत्साह का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इन्दौर की जनता हमेशा से सकारात्मक पहल में अग्रणी रही है। यह कार्यक्रम शहर की ऊर्जा, उमंग और स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता को नई दिशा प्रदान करेगा। स्वच्छता में देश का निरंतर नेतृत्व करने वाला हमारा इन्दौर, अब स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी देश में नम्बर 1 बने, यह हम सभी का सामूहिक संकल्प है। ‟वन इन्दौर-रन इन्दौर" उसी दिशा में एक सशक्त पहल है। यह कार्यक्रम इन्दौरवासियों में फिटनेस के प्रति उत्साह को और अधिक बढ़ाएगा, साथ ही स्वस्थ समाज निर्माण का संदेश पूरे प्रदेश में प्रसारित करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकास के साथ प्रदेशवासियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए भी राज्य सरकार द्वारा निरंतर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। युवाओं के लिए बेहतर स्वास्थ्य के आधार, खेल को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि अब प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से प्रदेश के खिलाड़ी पदक लेकर ही लौट रहे हैं। इसका हाल का उदाहरण सुश्री क्रांति गौड हैं, जिन्होंने महिला वर्ल्ड कप में विश्व में अपनी प्रतिभा स्थापित की। राज्य सरकार द्वारा प्रोत्साहन स्वरूप उन्हें एक करोड़ रुपए की राशि प्रदान की गई। इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, इंदौर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री रमेश मैंदोला, श्री मधु वर्मा सहित बड़ी संख्या में युवा वर्ग उपस्थित रहा।

भोपाल में कई बसों में पैनिक बटन नहीं:ड्राइवर मौके पर कनेक्शन जोड़ता दिखा, तो कई को पता ही नहीं बटन कहां लगा

भोपाल। इंदौर पुणे रूट की निजी बस में नेशनल शूटर के साथ हुई छेड़छाड़ के बाद महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। इसी क्रम में दैनिक भास्कर ने बुधवार को भोपाल करइळ बस स्टैंड पर रैंडम चेकिंग की। जांच में चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई, कई बसों में पैनिक बटन तो लगे हैं, लेकिन कई बसें अब भी बिना बटन के चल रही हैं। कुछ ड्राइवरों को तो यह तक नहीं पता कि बटन लगा कहां है। वहीं आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने कहा कि पैनिक बटन हर बस में अनिवार्य है, अगर कोई नियम का उल्लंघन करता नजर आया तो उसके खिलाफ तुरंत एक्शन लिया जाएगा। हमने हाल ही में ऐसी सैकडों बसों पर कार्रवाई की है जिनमें पैनिक बटन या अन्य जरूरी दस्तावेज या उपकरण नहीं पाए गए।

एक बस में तो ड्राइवर मौके पर ही कनेक्शन जोड़ता दिखा- जिन बसों में पैनिक बटन नहीं मिले, उनमें एमपी 30 पीए 4040 और

एमपी 38 पी 0664 प्रमुख हैं। इस दौरान एमपी 30 पीए 4040 के ड्राइवर को पैनिक बटन का कनेक्शन जोड़ते हुए देखा गया, लेकिन जब बस के अंदर पैनिक बटन ढूंढा गया तो कहीं भी बटन दिखाई नहीं दिया। इससे साफ है कि सुरक्षा उपकरण सिर्फ कागजों में पूरा दिखाने की कोशिश की जाती है, ग्राउंड पर नहीं।

कुछ ट्रैवल्स में व्यवस्था ठीक, लेकिन ड्राइवरों को जानकारी कम- ITBP बस स्टैंड पर मौजूद वर्मा ट्रैवल्स और चार्टर्ड बसों में अधिकतर पैनिक बटन सही स्थिति में मिले। हालांकि कई बसों में ड्राइवर खुद बटन ढूंढते नजर आए। यानी जहां सिस्टम लगा भी है, वहां उसे चलाने वालों को इसकी पूरी जानकारी नहीं है।

महिला यात्रियों ने कहा, पैनिक बटन होना जरूरी- यात्री दीपांशी पटेल ने बताया कि ‟मैं अक्सर अकेले सफर करती हूं। मुझे आज तक नहीं पता था कि बसों में पैनिक बटन भी होता है। आज पहली बार देखा है। लगता है यह बहुत जरूरी है और हर बस में होना चाहिए। दूसरी महिला यात्री अनूजा ने कहा- ‟सिंगल वुमन के लिए पैनिक बटन बहुत जरूरी है। यह हर बस में होना चाहिए, इससे सुरक्षा का भरोसा मिलता है।

भोपाल मंडल से गुजरने वाली ट्रेनों का शेड्यूल बदला:4 ट्रेन रद्द, 7 आंशिक निरस्त और 3 के रूट बदले; जयपुर स्टेशन पर होना है मेंटेनेंस कार्य

भोपाल। उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर स्टेशन पर जारी पुनर्विकास कार्य का सीधा असर पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल से गुजरने वाली कई महत्वपूर्ण ट्रेनों पर पड़ने वाला है। स्टेशन यार्ड में एयर कोनकोर्स निर्माण के चलते नवंबर व दिसंबर माह में विभिन्न दिनों पर ट्रेनों का आंशिक निरस्तीकरण और मार्ग परिवर्तन किया गया है। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेन की वर्तमान स्थिति अवश्य जांचने की अपील की है।

यह ट्रेन रहेंगी निरस्त- 14813 जोधपुरझ्रभोपाल – 23 नवंबर 2025 को रद्द 14814 भोपालझ्रजोधपुर – 24 नवंबर 2025 को रद्द 19711 जयपुरझ्रभोपाल – 23 नवंबर 2025 को रद्द 19712 भोपाल-जयपुर – 24 नवंबर 2025 को रद्द

आंशिक रूप से निरस्त ट्रेनें- 12720 हैदराबादझ्रजयपुर (24 नवंबर) अब जयपुर की जगह अजमेर तक ही जाएगी। 12719 जयपुर

हैदराबाद (26 नवंबर)झ्र यह ट्रेन अजमेर से शुरू होगी। जयपुरझ्रअजमेर के बीच सेवाएं रद्द। 12968 जयपुर-चेन्नई (23 नवंबर) जयपुर की जगह दुगार्पुरा से प्रस्थान करेगी। 07019 जयपुरझ्रहैदराबाद स्पेशल(23, 30 नवंबर और 7 दिसंबर)झ्र अजमेर से चलेगी, जयपुरझ्रअजमेर के बीच आंशिक निरस्त।

07020 हैदराबादझ्रजयपुर(21, 28 नवंबर और 5 दिसंबर)झ्र यह ट्रेन जयपुर के स्थान पर अजमेर तक ही संचालित होगी। 12181 जबलपुरझ्रअजमेर(21 नवंबर से 8 दिसंबर, कुल 18 ट्रिप)झ्र अब सवाई माधोपुर तक ही जाएगी। 12182 अजमेरझ्रजबलपुर(22 नवंबर से 9 दिसंबर, कुल 18 ट्रिप)झ्र यह सेवा सवाई माधोपुर से शुरू होगी, अजमेरझ्रसवाई माधोपुर के बीच रद्द।

मार्ग परिवर्तित ट्रेनें- 18207 दुर्गझ्रअजमेर (8 दिसंबर)झ्र परिवर्तित मार्गः कोटाझ्रचंदेरियाझ्रअजमेर। 18213 दुर्गझ्रअजमेर (23 नवंबर, 7 दिसंबर)झ्र परिवर्तित मार्गः कोटा-चंदेरिया-अजमेर। 18573 विशाखापट्टनम-भगत की कोठी (27 नवंबर) परिवर्तित मार्गः सोगरिया गुडला- चंदेरिया -अजमेर-मारवाड़।

यात्रियों के लिए सलाह- रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा से पहले ट्रेन की टाइमिंग, रूट और ठहराव की जानकारी ठळएर ऐप अथवा भारतीय रेल की आधिकारिक वेबसाइट पर अवश्य चेक करें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर बॉटम परफार्मर जिले:एसआईआर डिजिटाइजेशन में सीहोर, अशोकनगर जैसे छोटे जिले अव्वल

भोपाल। सुविधाओं के बाद भी मध्य प्रदेश के विकसित और महानगरीय उपलब्धि वाले जिले भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर में एसआईआर की परफार्मेंस 18 दिनों में छोटे जिले की अपेक्षा पुअर है। हैरत की बात यह है कि यह सभी प्रदेश के 55 जिलों में बॉटम 10 जिलों की कैटेगरी में शामिल हैं जहां सबसे कम डिजिटाइजेशन हो सका है। चुनाव आयोग की सख्ती के बाद भी एमपी के वोटर्स की एसआईआर में प्रोग्रेस नहीं आ पा रही है। प्रदेश में 27 अक्टूबर की स्थिति में 5 करोड़ 74 लाख 6 हजार 143 मतदाता हैं जिसमें से 2 करोड़ 76 लाख 19 हजार 799 वोटर्स के एसआईआर डिटेल अभी डिजिटाइज होना बाकी है।

भोपाल के ग्रीन पार्क कॉलोनी में 12 कारों में तोड़फोड़:3 बाइकों पर आए बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम; पुलिस जांच में जुटी

भोपाल के गौतम नगर थाना इलाके की ग्रीन पार्क कॉलोनी में बीती रात बदमाशों ने करीब एक दर्जन वाहनों में तोड़फोड़ की और फरार हो गए।

भोपाल। भोपाल के गौतम नगर थाना इलाके की ग्रीन पार्क कॉलोनी में बीती रात बदमाशों ने करीब एक दर्जन वाहनों में तोड़फोड़ की और फरार हो गए। आरोपी तीन बाइकों पर सवार होकर आए थे। गौतम नगर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक आधा दर्जन से अधिक बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है। शनिवार-रविवार की रात को आए

आरोपियों ने कॉलोनी की सड़क किनारे खड़े वाहनों में तोड़फोड़ की है। कॉलोनी के लोगों के मुताबिक, वहां के किसी भी परिवार का किसी को कोई विवाद नहीं हुआ था। हालांकि पुलिस का कहना है कि घटना स्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रहे हैं। आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ा जाएगा। जिसके बाद ही वारदात के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

भोपाल में अनोखा प्रदर्शन..सड़क के लिए शवयात्रा निकाली:आईबीडी रायसिना कॉलोनी में प्रदर्शन

भोपाल। भोपाल की आईबीडी रायसिना कॉलोनी में रविवार को एक अनोखा प्रदर्शन हुआ। सड़क के लिए लोगों ने सड़क की शवयात्रा ही निकाल दी। हालांकि, जनप्रतिनिधियों से बातचीत के बाद पुतला दहन नहीं किया गया। सड़क की जर्जर हालत और चौड़ीकरण नहीं होने से उनकी नाराजगी है। रायसेन रोड स्थित ओरिएंटल कॉलेज के पास आईबीडी रायसिना कॉलोनी है। जहां पर कुल 540 मकान और प्लाट है। इनमें से करीब 400 परिवार रह रहे हैं, लेकिन वे कई साल से जर्जर सड़क की वजह से परेशान हैं। पिछले दो साल से सड़क के निर्माण की मांग भी उठा रहे हैं, लेकिन यह पूरी नहीं हुई। इसलिए रविवार को उन्हें सड़क के लिए सड़क पर ही उतरना पड़ा। हालांकि, सड़क का सांकेतिक पुतला नहीं जलाते हुए उसे एक जगह रख दिया गया।

ढोल-ढमाकों के साथ शवयात्रा निकाली- इस अनोखे प्रदर्शन में कॉलोनी के बुजुर्ग से लेकर बच्चे तक शामिल हुए। ढोल-ढमाकों के बाद शवयात्रा शुरू हुई, जो कॉलोनी से शुरू होकर ओरिएंटल कॉलेज तिराहे तक पहुंची। रहवासी सौरभ चंद्रवंशी (धाकड़) ने बताया, आज से आंदोलन की शुरूआत की है। इस संबंध में जनप्रतिनिधियों से भी बातचीत हुई। ओरिएंटल कॉलेज से आईबीडी कॉलोनी तक सड़क नहीं बन रही है। यह करीब दो किलोमीटर लंबी है। पूरी सड़क खस्ता हाल है। वहीं, छोटी भी है। इस कारण कॉलोनी के हजारों लोग हर रोज परेशान हो रहे हैं। इस वजह से आए दिन दुर्घटनाएं भी होती हैं।

सड़क निर्माण के लिए संघर्ष मंच बनाया- रहवासियों ने सड़क के लिए आईबीडी रोड निर्माण संघर्ष मंच भी बनाया है। इसके बैनरतले पूरा प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने कहा कि कॉलोनी से खजूरी गांव तक एक वर्ष से सड़क चौड़ीकरण और नवीन निर्माण कार्य नहीं होने से दिक्कतें ज्यादा बढ़ गई हैं।

पैसा ही पैसा...28 का शेयर मचा रहा गदर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज के शेयर में बीते शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन 5 प्रतिशत का ऊपरी सर्किट लगा। यह 28.09 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने अगले हफ्ते 28 नवंबर को फंड जुटाने पर विचार करने की घोषणा की है। इसके बाद इसमें उछाल आया है। यह लगातार पांचवां कारोबारी सत्र था जब शेयर में तेजी देखी गई। यह स्मॉल-कैप स्टॉक पिछले पांच सालों में 56,000 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न दे चुका है। हालांकि, हाल के दिनों में इसका प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। पिछले एक साल में शेयर में 30 प्रतिशत की गिरावट आई है। लेकिन, पिछले छह महीनों में 11 प्रतिशत, तीन महीनों में 41 प्रतिशत और एक महीने में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज ने एक्सचेंज को सूचित किया है कि उसके निदेशक मंडल की बैठक 28 नवंबर, 2025 को शुक्रवार को होगी। इस बैठक में इक्विटी शेयर या इक्विटी में बदलने योग्य वारंट जारी करके फंड जुटाने के प्रस्ताव

5 साल में दिया 56,000 प्रतिशत का तूफानी रिटर्न

का मूल्यांकन किया जाएगा। यह फंड जुटाना आवश्यक नियामक और शेयरधारक की मंजूरी के अधीन, तरजीही आवंटन सहित अनुमत माध्यमों से किया जा सकता है। कंपनी ने अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, बोर्ड फंड जुटाने की गतिविधियों पर विचार करेगा और अगर उचित समझा गया तो इक्विटी शेयर या इक्विटी शेयरों में बदलने योग्य वारंट जारी करके, जिसमें तरजीही आवंटन भी शामिल है, उन्हें मंजूरी देगा। कंपनी के सितंबर तिमाही के नतीजे काफी शानदार रहे। इस तिमाही में शुद्ध लाभ 29.9 करोड़ रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही) के 14.7 करोड़ की तुलना में 104 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, परिचालन से राजस्व साल-दर-साल 54 प्रतिशत बढ़कर 286.9 करोड़ हो गया, जबकि वित्तवर्ष25 में यह 186.6 करोड़ था। ई बी आई टी डी ए भी दोगुना होकर 30.7 करोड़ हो गया, जो पिछले साल के 14.7 करोड़ से 109 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। ई बी आई टी डी ए मार्जिन भी 7.9 प्रतिशत से बढ़कर 10.7 प्रतिशत हो गया, जो 284 बेसिस पॉइंट का सुधार है।

सितंबर 2025 को समाप्त हुए छह महीनों के लिए, शुद्ध लाभ पिछले साल के 27.4 करोड़ से दोगुना होकर 54.7 करोड़ हो गया। राजस्व 536.7 करोड़ रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के 326.7 करोड़ से 64 प्रतिशत अधिक है। ई बी आई टी डी ए में 92 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 56.2 करोड़ हो गया, जबकि पिछले साल यह 29.2 करोड़ था। मार्जिन में भी लगातार सुधार देखा गया।

क्या है कंपनी का बैकग्राउंड

इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज की स्थापना 1995 में हुई थी। यह जैविक और अकार्बनिक खाद्य उत्पाद और बेकरी आइटम बनाती है। इसकी सहायक कंपनी नेचर वेल फूड्स की स्थापना 2023 में हुई थी। यह कई ब्रांडों के तहत बिस्कुट और कुकीज का उत्पादन करती है। यह सहायक कंपनी राजस्थान के नीमराणा में एक आधुनिक स्वचालित सुविधा का संचालन करती है। इसकी उत्पादन क्षमता 3,400 टन प्रति माह है।

अडानी समूह ने बनाई 2 और कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी समूह की कंपनी- अडानी ग्रीन एनर्जी ने क्लीन एनर्जी उत्पादन और वितरण के लिए दो कंपनियां बनाई है। अडानी ग्रीन एनर्जी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी कंपनी अडानी सौर ऊर्जा लिमिटेड (एएसयूकेएल) ने गुजरात में दो पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनियां अडानी हाइड्रो एनर्जी

थर्टीन (एएचई13) और अडानी हाइड्रो एनर्जी सिक्सटीन (एएचई16) स्थापित की हैं। कंपनी ने कहा कि एएचई13एल और एएचई16एल का मुख्य उद्देश्य विंड एनर्जी, सोलर एनर्जी या अन्य रिन्यूएबल सोर्सेज से किसी भी प्रकार की विद्युत ऊर्जा का उत्पादन, विकास, रूपांतरण, वितरण, बिक्री और आपूर्ति करना है।

अडानी ग्रीन के शेयर की बात करें तो शुक्रवार को यह बिकवाली मोड में था। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यह शेयर 2.79 प्रतिशत टूटकर 1029.75 रुपये पर बंद हुआ। शेयर का ट्रेडिंग रेंज 1062.60 रुपये से 1029.75 रुपये के बीच रहा। शेयर का 52 वीक हाई 1,445 रुपये और 52 वीक लो 758 रुपये है।

कैसे रहे तिमाही नतीजे

चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़कर 644 करोड़ रुपये हो गया। इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर अवधि में कंपनी ने 515 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। इस अवधि के दौरान बिजली आपूर्ति से कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 2,308 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,776 करोड़ रुपये हो गया। इस

मीशो के आईपीओ का इंतजार खत्म

कब तक शेयर बाजार में लिस्ट होगी कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। ई-कॉमर्स दिग्गज मीशो आईपीओ मार्केट में एंट्री के लिए तैयार है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो दिसंबर के महीने में आईपीओ की लॉन्चिंग हो सकती है। उद्योग जगत के एक सूत्र ने मनीकंट्रोल को बताया कि रोड शो और निवेशकों के साथ चर्चा के बाद मीशो ने अब मूल्यांकन तय कर लिया है और

जल्द ही लिस्टिंग के लिए तैयार है। एक अन्य सूत्र ने कहा कि मीशो दिसंबर की शुरुआत में अपना आईपीओ लॉन्च करने की योजना बना रही है। इसने जुलाई में गोपनीय तरीके से सेबी के पास ड्राफ्ट पेपर दाखिल किए थे, जिसके बाद 18 अक्टूबर को यूडीआरएचपी-1 (अपडेट ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस) दाखिल किया गया था। यूडीआरएचपी-2 जल्द ही दाखिल किया जाएगा।

क्या है आईपीओ डिटेल

मीशो ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 4,250 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है।

भूटान के बड़े प्रोजेक्ट पर टाटा ने लगाया दांव

1572 करोड़ रुपये में डील पर मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा पावर ने एक बड़ी डील की है। कंपनी ने कहा कि उसने भूटान के एक विशेष उद्देशीय कोष (एसपीवी) में 1,572 करोड़ रुपये में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन के साथ कॉमर्शियल समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत 1125 मेगावाट की दोर्जिलुंग जलविद्युत परियोजना स्थापित की जानी है। दोर्जिलुंग भूटान की दूसरी सबसे बड़ी पनबिजली परियोजना होगी, और यह देश में अब तक सबसे बड़ी सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) वाली परियोजना होगी।

समझौते के तहत टाटा पावर ने तय ढांचे के अनुसार किस्तों में लगभग 1,572 करोड़ रुपये का इक्विटी निवेश करने का वादा किया है। इस रियायती समझौते पर थिम्पू में टाटा पावर के सीईओ और एमडी प्रवीर सिन्हा और ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीजीपीसी) के प्रबंध निदेशक दाशो छेवांग रिनजिन ने भूटान के प्रधानमंत्री ल्योंछेन शेरिंग तोबगे की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए। बता दें कि यह परियोजना सितंबर 2031 में चालू होने वाली है, और इसका 80 प्रतिशत उत्पादन भारत को आपूर्ति किया जाएगा। इससे इलाके की ऊर्जा सुरक्षा और साफ बिजली की उपलब्धता को काफी बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना को विश्व बैंक का समर्थन है।

टाटा पावर के शेयर का हाल- टाटा पावर के शेयर की बात करें तो सुस्त पड़ा है और इसका भाव शुक्रवार को 386.95 रुपये है। दिसंबर 2024 में शेयर की कीमत 447.70 रुपये थी।

कैसे रहे तिमाही नतीजे

टाटा पावर को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के दौरान 1,245 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है, जो पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का कुल राजस्व तीन प्रतिशत बढ़कर 15,769 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। परिचालन लाभ छह प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,032 करोड़ रुपये रहा।

अमेरिकी टैरिफ के दंश से भारत को राहत पहुंचा रहा है चीन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी टैरिफ के दंश के बीच भारतीय निर्यातकों के लिए एक अच्छी खबर है। भारत का चीन को निर्यात इस वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में हर महीने बढ़ा है। अक्टूबर में तो यह 42 प्रतिशत तक बढ़ गया। इससे भारत को अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ (शुल्क) के असर को कुछ हद तक कम करने में मदद मिली है।

कितना हो गया निर्यात

इस साल अप्रैल से अक्टूबर के दौरान, चीन को भारत का निर्यात पिछले साल की तुलना में 24.7 प्रतिशत बढ़कर 10.03 बिलियन हो गया। इसमें पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स, टेलीकॉम इंस्ट्रूमेंट्स और मरीन प्रोडक्ट्स सबसे आगे रहे। हालांकि, इस अवधि में भारत का कुल निर्यात सिर्फ 0.63 प्रतिशत ही बढ़ा। एक अधिकारी ने कहा, यह द्विपक्षीय व्यापार के सबसे मजबूत दौरों में से एक है, खासकर ऐसे समय में जब दुनिया भर में मांग अनिश्चित है और कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के निर्यात क्षेत्र सिकुड़ रहे हैं।

लगातार बढ़ रहा है निर्यात- इस साल अप्रैल में चीन को निर्यात 11 प्रतिशत बढ़ा था। जुलाई में यह बढ़कर 28 प्रतिशत और सितंबर में 33 प्रतिशत हो गया। अप्रैल-अक्टूबर के दौरान चीन भारत का चौथा सबसे बड़ा एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन था। हालांकि, अक्टूबर में चीन को हुआ मजबूत निर्यात, भारत के कुल निर्यात के प्रदर्शन से अलग है। उस महीने, अमेरिका द्वारा 27 अगस्त से लागू किए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के कारण, भारत का कुल निर्यात 11.8 प्रतिशत घटकर 34.38 बिलियन रह गया।

भारतीय सामानों का सबसे बड़ा आयातक चीन

इस समय चीन भारत के लिए सामान का सबसे बड़ा आयातक बना हुआ है। अप्रैल-अक्टूबर के दौरान चीन से 73.99 बिलियन का सामान भारत आया। इस दौरान चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा (जितना हम खरीदते हैं और जितना बेचते हैं, उसका अंतर) 64 बिलियन रहा।

दुनिया पर महा-संकट... फंसी है कई देशों की गर्दन

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान में लंबे समय के लिए कर्ज लेने की लागत ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई है। इससे देश की वित्तीय स्थिरता, कमजोर होती मुद्रा और वैश्विक बॉन्ड बाजार पर बढ़ते दबाव को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक चार्ट साझा करते हुए चेतावनी दी है। उनके मुताबिक, यह उछाल वैश्विक बाजारों के लिए महत्वपूर्ण मोड़ है। उन्होंने कहा, जापान की 30-वर्षीय यील्ड 3.4 प्रतिशत पर पहुंच गई है - यह एक बड़ा ग्लोबल स्ट्रेस पॉइंट है। अपने कर्ज के स्तर को देखते हुए जापान को या तो मंदी स्वीकार करनी होगी या लंबे समय तक ज्यादा महंगाई का सामना करना पड़ेगा। वहीं, ब्रिटेन की 30-वर्षीय

दिग्गज अर्थशास्त्री की चेतावनी, सामने सिर्फ 2 रास्ते

यील्ड 5.4 प्रतिशत पर है। जापान की यील्ड में यह उछाल विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। कारण है कि यह देश लंबे समय से अल्ट्रा-लो ब्याज दरों का ग्लोबल सेंटर रहा है। जापानी सरकारी बॉन्ड (जेजीबी) यील्ड में बढ़ोतरी वैश्विक बाजारों में फैल सकती है। इससे फाइनेंसिंग की लागत बढ़ने के साथ अस्थिरता बढ़ने के आसार हैं।

कर्ज वाले देशों की फंस चुकी है गर्दन- सान्याल का आकलन एक और अहम पैमाने को दर्शाता है। वह यह है कि दुनिया एक ऐसे चरण में प्रवेश कर सकती है जहां सबसे अधिक कर्ज वाले देशों को दर्दनाक विकल्प का सामना करना पड़ेगा। उनके सामने दो विकल्प होंगे। मंदी या लंबे समय

तक चलने वाली महंगाई। कारण है कि उधार लेने की लागत लगातार बढ़ रही है।

जापान में गहराया संकट- जापानी सरकारी बॉन्ड (जेजीबी) की बिकवाली जारी है। इससे 30-वर्षीय यील्ड रिकॉर्ड 3.37 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह 3 आधार अंकों की बढ़ोतरी है जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। अन्य परिपक्वता अवधि के बॉन्ड पर भी दबाव देखा गया। 20-वर्षीय यील्ड 3.5 आधार अंक बढ़कर 2.85 प्रतिशत हो गई। यह जून 1999 के बाद सबसे अधिक है। 10-वर्षीय यील्ड 3.5 आधार अंक बढ़कर 1.8 प्रतिशत हो गई, जो जून 2008 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। यह तेज उछाल कई जोखिमों का परिणाम है। इनमें जापान का भारी कर्ज, लगातार बढ़ती महंगाई और येन का तेजी से कमजोर होना शामिल है। यह यील्ड उछाल प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची की कैबिनेट की ओर से 21.3 ट्रिलियन येन (135 अरब डॉलर) के एक प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी देने के कुछ दिनों बाद आया है। इस पैकेज का उद्देश्य परिवारों और व्यवसायों को बढ़ती कीमतों से निपटने में मदद करना है। इसमें ऊर्जा सब्सिडी और टैक्स में कटौती शामिल है।

महंगाई जापान में बड़ा मुद्दा- ताकाइची पिछले पांच साल में जापान की पांचवीं प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने पिछले महीने पदभार संभाला था। महंगाई से निपटने का वादा किया था।

ब्रिटेन की हालत भी खराब

जापान की यह उथल-पुथल ऐसे समय में आई है जब प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में लंबी अवधि के लिए कर्ज लेने की लागत तेजी से बढ़ रही है। ब्रिटिश 30-वर्षीय गिल्ट यील्ड हाल ही में 5.680 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो 27 साल का ऊंचा स्तर है। यह उछाल कई चिंताओं के कारण है। इनमें ब्रिटेन में लगातार ऊंची महंगाई, सरकारी उधार में बढ़ोतरी, धीमी आर्थिक तरक्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से फेडरल रिजर्व पर दबाव के कारण उत्पन्न राजनीतिक अनिश्चितता शामिल है। ब्रिटेन की लंबी अवधि की उधार लागत अब जी7 देशों में सबसे ज्यादा है। सान्याल ने इस बात पर रोशनी डाली कि यह वैश्विक बॉन्ड बाजार पर बढ़ते तनाव का एक हिस्सा है।

डिलीवरी बॉय से कैब ड्राइवर तक

गिग वर्कर्स के लिए कंपनियों को करना होगा ये काम

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में नए लेबर लॉ 21 नवंबर 2025 से लागू हो गए हैं। इसके लागू होने से कर्मचारियों को कई बड़ी सुविधाएं मिलने वाली हैं। इसके तहत गिग वर्कर्स के लिए भी कुछ अहम ऐलान हुए हैं। गिग वर्कर्स में फ्रीलांसर, डिलीवरी बॉय और कैब ड्राइवर्स आते हैं। नए लेबर लॉ के लागू होने से स्विगी, जोमैटो, ब्लिंकिट और जेप्टो जैसी ऑनलाइन फूड डिलीवरी, ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स कंपनियां सहित कई अन्य कंपनियों को अब अपने वार्षिक कारोबार का 2 प्रतिशत तक गिग और प्लेटफॉर्म कर्मचारियों के लिए आवंटित करना होगा।

पहली बार गिग वर्कर्स के लिए हुआ ये काम

बता दें कि सरकार ने पहली बार कानूनों में गिग वर्कर्स, प्लेटफॉर्म वर्कर्स और एग्रीगेटर्स की परिभाषा जोड़ते हुए स्पष्ट किया है कि ये श्रमिक देश के औपचारिक आर्थिक ढांचे का हिस्सा हैं। नए श्रम संहिताओं के तहत सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 को लागू करते हुए मंत्रालय ने घोषणा की कि सभी गिग तथा प्लेटफॉर्म वर्कर्स को अब पीएफ, ईएसआईसी, बीमा और अन्य सुरक्षा लाभों का अधिकार होगा। इससे पहले यह लाभ केवल संगठित क्षेत्र तक सीमित थे, जिसके कारण देश के 80 प्रतिशत से अधिक श्रमिक ऐसे थे जिन्हें सामाजिक सुरक्षा का कोई लाभ नहीं मिलता था।

कंपनियां क्या करेंगी

नए लेबर लॉ के अनुसार, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को रोजगार देने वाली एग्रीगेटर कंपनियों को अपने वार्षिक कारोबार का 1-2 प्रतिशत श्रमिकों को देने की आवश्यकता नहीं होगी। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने यह भी बताया कि कंपनियों द्वारा इन श्रमिकों को देय राशि में से गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए आवंटन की ऊपरी सीमा 5 प्रतिशत होगी। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने अपनी आधिकारिक घोषणा में कहा- एग्रीगेटर्स को वार्षिक टर्नओवर का 1-2 प्रतिशत योगदान देना होगा, जो गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को भुगतान/देय राशि के 5 प्रतिशत तक सीमित होगा।

2 रुपये से 96 रुपये के पार शेयर, 4700 प्रतिशत की तूफानी तेजी

अब कंपनी को मिला बड़ा सोलर प्रोजेक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। एडवांस्ड सोलर और क्लीन एनर्जी सॉल्यूशंस बनाने वाली कंपनी सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम लिमिटेड को एक और बड़ा ऑर्डर मिला है। सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर को ग्राउंड माउंटेड और रूफटॉप ऑन-ग्रिड सोलर प्रोजेक्ट मिला है। कंपनी को मिला यह प्रोजेक्ट 16.31 करोड़ रुपये का है। सर्वोटेक रिन्यूएबल को यह प्रोजेक्ट रेलवे एनर्जी मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड से मिला है। आईआरसीटीसी, राइट्स लिमिटेड और रेलवे मिनिस्ट्री का संयुक्त उपक्रम है। सर्वोटेक रिन्यूएबल को पिछले दिनों ही 73.70 करोड़ रुपये का ग्रिड-कनेक्टेड रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट मिला है। कंपनी को यह प्रोजेक्ट न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी डिवेलपमेंट कॉरपोरेशन ऑफ आंध्र प्रदेश लिमिटेड से मिला है।

4 साल में 4700 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए हैं सर्वोटेक रिन्यूएबल के शेयर- स्मॉलकैप कंपनी सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम के शेयर पिछले 4 साल में 4700 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। सोलर कंपनी के शेयर 4 नवंबर 2021 को 1.99 रुपये पर थे। सर्वोटेक रिन्यूएबल के शेयर 21 नवंबर 2025 को एनएसई में 96.05 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले तीन साल में सर्वोटेक रिन्यूएबल के शेयर 537 पर्सेंट उछल गए हैं। हालांकि, पिछले एक साल में सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम के शेयरों में 44 पर्सेंट से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। इस साल अब तक कंपनी के शेयरों में 42 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट आई है। सर्वोटेक रिन्यूएबल के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 189.67 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 95.15 रुपये है।

प्रोजेक्ट में कंपनी को क्या करना होगा

रेलवे एनर्जी मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड से मिले सोलर प्रोजेक्ट में सर्वोटेक रिन्यूएबल को नोएडा में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड में अलग-अलग कैपेसिटी के ग्राउंड माउंटेड और रूफटॉप सोलर पावर प्लांट्स के डिजाइन, इंजीनियरिंग, सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग का काम करना होगा। इसके अलावा, प्रोजेक्ट में 10 साल के ऑपरेशंस और मेंटिनेंस भी शामिल है।

उप मुख्यमंत्री ने किया रैबी ट्रैक पोर्टल का वर्चुअल शुभारंभ

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास की चर्चा करते हुए मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि यह संस्थान न्यूरोसर्जरी जैसे क्षेत्रों में वह कार्य 65 वर्ष पहले कर चुका है, जो कई स्थानों में अब शुरू हो रहे हैं। इसी उत्कृष्ट परंपरा के कारण सरकार ने निर्णय लिया है कि गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय एवं इससे जुड़े अस्पतालों को सेंटर ऑफ आर्ट की तरह विकसित किया जाएगा, जिससे मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधा यहीं उपलब्ध हो सके और रेफर करने की आवश्यकता न पड़े। डिप्टी सीएम श्री शुक्ल ने यह बात रैबी ट्रैक पोर्टल के वर्चुअल शुभारंभ के अवसर पर जीआरएमसी के बोर्ड रूम में उपस्थित चिकित्सा शिक्षकों व विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने इस नवाचार को भारत सरकार के संकल्प—रेबीज मुक्त भारत की दिशा में अत्यंत आवश्यक कदम बताया।

अपने संबोधन में डिप्टी सीएम श्री शुक्ल ने बताया कि ग्वालियर में प्रतिवर्ष 7 से 8 हजार रेबीज मरीज अस्पताल पहुंचते हैं। कई मरीज जागरूकता के अभाव में समय पर वैक्सीनेशन नहीं लेते, जिससे उनकी जान तक जोखिम में पड़ जाती है। उन्होंने कहा कि रैबी ट्रैक पोर्टल मरीजों के मोबाइल पर समय-समय पर वैक्सीन की डोज की तिथि का संदेश भेजेगा, जिससे वे समय पर उपचार ले सकेंगे। उन्होंने आगे कहा कि मेडिकल कॉलेजों का दायित्व है कि वे नवाचार करते रहें, क्योंकि भारत सरकार टीबी मुक्त भारत अभियान और रेबीज मुक्त भारत जैसे कई महत्वपूर्ण मिशन चला रही है। मुझे यह कहते हुए हर्ष हो रहा है कि गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय इसी दिशा में लगातार काम कर रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि आयुष्मान योजना में 60 करोड़ से अधिक नागरिक कवर हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार हुआ है। उन्होंने जीआरएमसी प्रबंधन व कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग को इस नवाचारी प्रयास के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय अधिष्ठाता प्रो. डॉ.आर.के.एस. धाकड़ ने बताया कि यह ऑनलाइन पोर्टल कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा विकसित किया गया है और यह मध्यप्रदेश का पहला सॉफ्टवेयर है। यह न केवल जयारोग्य चिकित्सालय समूह में आने वाले संदिग्ध रेबीज मरीजों का रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित करेगा, बल्कि वैक्सीन डोज की तारीखें भी मरीज को एसएमएस द्वारा भेजेगा। कार्यक्रम के दौरान कम्युनिटी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज बंसल ने बताया कि रेबीज मुक्त भारत मिशन के लिए आवश्यक है कि हर संदिग्ध मरीज को पूरा और समय से एंटी-रैबीज टीकाकरण मिले।

मरीज अक्सर निर्धारित तारीख भूल जाते हैं, लेकिन अब रैबी ट्रैक उन्हें समय पर याद दिलाएगा और यह कई जानें बचाने में उपयोगी साबित होगा। रैबी ट्रैक पोर्टल के वर्चुअल शुभारंभ के दौरान डॉ. नीलिमा टंडन, डॉ.जितेंद्र अग्रवाल, डॉ. केपी रंजन, डॉ.प्रियंका शर्मा, डॉ.प्रवीण गौतम, डॉ.रामनिवास माहौर, डॉ.ऋचा चंगुलानी, डॉ.सस्मिता मुंगी, डॉ.भावना किचोलिया, डॉ.कीर्ती श्रीवास्तव सहित अन्य चिकित्सा शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पंजाब से आए जशनप्रीत कौर, सुमनदीप कौर का प्राकृतिक आपदा नियंत्रण मॉडल को मिली सफलता

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी में 52वीं बाल विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में डा. द्वारका नाथ सरकारी कन्या सीनियर सैकंडरी स्कूल राएकोट लुधियाना पंजाब से प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर अमरप्रीत कौर के मार्गदर्शन में प्रदर्शनी पर आए जशनप्रीत कौर, सुमनदीप कौर सहयोगी शिक्षिका वनीता, द्वारा प्राकृतिक आपदा के प्रभाव को कम करने मे सक्षम प्रोजेक्ट के विषय में प्रभावकारी तरीके से जानकारी प्रदान की। पर्यावरण संस्कृति ट्रस्ट अध्यक्ष सुशील कुमार जैन द्वारा कुदरती आपदाओं पर सफल नियंत्रण प्रोजेक्ट बाबत जशनप्रीत कौर, सुमनदीप कौर को यंग साइंटिस्ट की उपाधि देकर सम्मानित किया । प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर अमरप्रीत कौर एवं सहयोगी शिक्षिका वनीता को उत्कृष्ट प्रोजेक्ट प्रदर्शन बाबत बधाइयां प्रेषित की।

जशनप्रीत कौर, सुमनदीप कौर ने बताया कि यह प्रोजेक्ट कुदरती आपदाओं से बचाव करने बाबत सफल नियंत्रण अनुसंधान पर आधारित है। इस प्रोजेक्ट मॉडल के माध्यम से यह जानकारी प्रदान कि कुदरती आपदाएं कैसे आती है और उनसे होने वाले जान माल की हानि को हम कैसे कम कर सकते है। इसमे भूकंप ,ज्वाला मुखी का फटना, चक्रवात,सूखा, नदियों में बाढ़ आने का कारण, आग लगने के कारण को विस्तार से बताया । भूकंप से बचने के लिए ईमारत का निर्माण किस प्रकार करना चाहिए, सूखे से निपटने के लिए घरों स्कूल कॉलेज बड़ी इमारतो पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्थापित करने की,फसलों की सिचाई के लिए टपक सिंचाई या बूँद-बूँद सिंचाई प्रणाली के संबंध में जानकारी दी गयी। तटीय क्षेत्र में फलड अलार्म लगाने फ्लोटिंग हाउस बनाने की,जगल की आग को बुझाने के तरीके, फायर अलार्म ,आटोमेटिक हीट सैंसर संप्रीकलर सिस्टम से अपने आप आग बुझाने की जानकारी भी दी गई है, जिससे जान माल की क्षति से बचा जा सके।

प्रदर्शनी का अवलोकन

भोपाल। आज गोविंदपुराइंडस्ट्रियल एरिया में लगी एक्सपो में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विभाग मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं रसिया की प्रदर्शनी में प्रतिनिधि मंडल से चर्चा की।

भोजपाल महोत्सव मेले में हो रहे बाबा अमरनाथ यात्रा के दर्शन

सात फीट ऊंचे महादेव के दर्शन, ऊंची-नीची पहाडियां, सुरक्षा में दिखेगी इंडियन आर्मी

भोपाल, नप्र। राजधानी के भेल दशहरा मैदान पर चल रहे प्रदेश के सबसे बड़े भोजपाल महोत्सव मेले में इस बार मनोरंजन के साथ भक्ति का संगम देखने को मिल रहा है। मेले में बनाई गई बाबा अमरनाथ यात्रा की झांकी बरबस ही लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। यहां ऊंची-नीची पहाडियां, जगह- जगह तैनात भारतीय आर्मी के जवान, घोड़े और खच्चर पर सवार यात्री, यात्रा के रास्ते में पडने वाले मंदिर, जंगल में रहने वाले भालू, बंदर, हिरण सहित अन्य जानवर देखने को मिलेंगे। सांस्कृतिक मंच पर शुक्रवार को मेला अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक विकास वीरानी, महामंत्री हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, अखिलेश नागर आदि ने दीप प्रज्जवलित कर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत की।

जो लोग अब तक अमरनाथ की यात्रा नहीं कर पाए उनको भोजपाल महोत्सव मेला बाबा बर्फानी (अमरनाथ) के दर्शन करा रहा है। यहां बनाई गई झांकी में सात फीट ऊंचे बाबा बर्फानी के दर्शन के साथ ही पूरे यात्रा मार्ग का चित्रण किया गया है। करीब 15 कलाकारों ने 15 दिन की कड़ी मेहनत के बाद झांकी तैयार की है।

यहां से शुरू होती है यात्रा

पुजारी नरेश चंद पांडेय ने बताया कि बाबा अमरनाथ की गुफा तक पहुंचने के लिए बालटाल या पहल गांव से यात्रा कर सकते हैं। पहल गांव से आगे पहला पड़ाव चंदनबाड़ी, यहां भगवान शिव, गणेश और माता पार्वती के दर्शन होंगे। बालटाल मंदिर से माता पार्वती व कार्तिकेय के दर्शन होंगे। इसके बाद गंगा- जमुना, त्रिवेणी, सप्तऋषी, आश्रम, वहां से अर्धनारीश्वर मंदिर, शिव गणेश मंदिर और अंत में त्रिशूल मंदिर के दर्शन होंगे। इन 6 मंदिरों के दर्शन करते हुए आप बाबा अमरनाथ की गुफा तक पहुंचेंगे। यहां सात फीट ऊंचे बर्फ से बने बाबा अमरनाथ के दिव्य दर्शन होंगे। अमरनाथ की इस पवित्र गुफा में भगवान भोलेनाथ ने माता पार्वती को अमर कथा सुनाई थी।

लेबैक सिंगर देसी डुओ बैंड की बॉलीवुड नाइट आज

भोजपाल महोत्सव मेला के सांस्कृतिक मंच पर शनिवार को शाम 7 बजे से प्लेबैक सिंगर देसी डुओ बैंड की बॉलीवुड नाइट में प्रकृति गिरी और ऋत्विजा अपनी आवाज का जादू बिखेरेंगी। यह दोनों कलाकार मुंबई से अपनी प्रस्तुति देने आ रही हैं। बता दें कि प्रकृति गिरी रियलटी शो अमूल स्टार वाइस ऑफ इंडिया छोटे उस्ताद 2007-08 में सेंकड रनरअप रह चुकी हैं। 16 वर्ष की उम्र में इन्हें नेपाल में सर्वश्रेष्ट महिला नवोदित पार्श्व गायिका का पुरस्कार मिल चुका है। गिरी ने कोरिया, हांगकांग, थाईलैंड, तुर्की, सिंगापुर, दुबई सहित कई अन्य देशों में अपनी प्रस्तुति दे चुकी हैं। रविवार को देश के प्रसिद्ध सूफी गायक दिलशाद साबरी और इरशाद साबरी बंधु सूफी नाइट की प्रस्तुति देंगे।

मेले में विभिन्न रेंज और वैरायटी के फर्नीचर

महामंत्री हरीश कुमार राम ने बताया कि मेले में इस बार फर्नीचर की भरमार है। विभिन्न रेंज और वैरायटी के फर्नीचर इस बार मेले में आए हैं। मेले में पहली बार आधुनिक और इम्पोर्टेड फर्नीचर मेले में आए हैं। साथ ही खान-पान सहित अन्य सामग्री की 400 दुकानें हैं। मनोरंजन के लिए जादूगर प्रिंस, डंकी शो, जलपरी, कश्मीर जैसे आयोजन हो रहे हैं।

बड़ी संख्या में पहुंच रहे लोग

मेला अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि दिव्यांग और बुजुर्गों के लिए व्हील चेयर, शहरवसियों के सेहत का ख्याल रखते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सुरक्षा के लिए पुलिस चौकी, सीसीटीवी कैमरे, सिक्योरिटी गार्ड और वलंटियर लगाए गए हैं। मनोरंजन के लिए रोजाना सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जा रही है। 49 दिनों तक चलने वाले इस मेले में भक्ति मनोरंजन के साथ ही खरीदारी का बेहतर मौका मिल रहा है। मेला देखने रोजाना बड़ी संख्या में आसपास क्षेत्रों के लोग पहुंच रहे हैं।

राष्ट्रीय तानसेन सम्मान' से पं. राजा काले और पं. तरुण भट्टाचार्य होंगे विभूषित

भोपाल, नप्र। संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने बताया है कि वर्ष-2024 का 'राष्ट्रीय तानसेन सम्मान' मुम्बई के पं. राजा काले को और वर्ष-2024 का 'राष्ट्रीय तानसेन सम्मान' कोलकाता के पं. तरुण भट्टाचार्य को प्रदान किया जाएगा। वर्ष-2024 का 'राजा मानसिंह तोमर राष्ट्रीय सम्मान' साधना परमार्थिक संस्थान समिति, खरगोन और वर्ष-2025 का 'राजा मानसिंह तोमर राष्ट्रीय सम्मान' 'रागायन', ग्वालियर को प्रदान किया जाएगा। ये सम्मान 15 से 19 दिसंबर, 2025 तक ग्वालियर में आयोजित 101वें तानसेन समारोह आयोजन में प्रदान किए जाएंगे।

संस्कृति विभाग द्वारा प्रतिवर्ष हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में 'राष्ट्रीय तानसेन सम्मान' एवं संगीत, संस्कृति एवं कला के संरक्षण में कार्य करने वाली संस्था को 'राजा मानसिंह तोमर राष्ट्रीय' सम्मान प्रदान किया जाता है। सम्मानित कलाकार एवं संस्था को 5 लाख की सम्मान राशि एवं सम्मान पट्टिका भेंट की जाती है।'राष्ट्रीय तानसेन सम्मान' वर्ष-1980 से प्रदान किया जा रहा है। अब तक 55 कला सर्जकों को ये सम्मान प्रदान किया जा चुका है। वर्ष-2023 का 'राष्ट्रीय तानसेन सम्मान' सम्मान पंडित स्वपन चौधरी, कोलकत्ता (तबला वादक) को प्राप्त हुआ था।

धारा 126 के प्रकरणों में विद्युत उपभोक्ताओं को छूट प्राप्त करने का मौका

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्य क्षेत्र के 16 जिलों के उपभोक्ताओं के लिए धारा 126 में लंबित प्रकरणों में लोक अदालत की तर्ज पर छूट प्रदान करने का अवसर उपलब्ध कराया गया है। इसके लिए उपभोक्ताओं को ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन आवेदन करने की सुविधा दी गई है। आवेदन एक दिसंबर से शुरू होकर 31 दिसंबर तक लिए जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन के लिए उपभोक्ता कंपनी पोर्टल पर जाकर प्रदर्शित क्वीक लिंक टैब में "Rebate As lokadalat in section 126÷ पर क्लिक कर आवेदन प्रस्तुत करना होगा। कंपनी के पोर्टल पर कंज्यूमर आईडी की प्रविष्टि करते ही उपभोक्ता को धारा-126 में दर्ज लंबित प्रकरण प्रदर्शित होगा। उपभोक्ता को लोक अदालत की तर्ज पर धारा-126 में छूट प्राप्त किए जाने हेतु ÷उपभोक्ता के परिसर या अन्य परिसर पर संयोजन के विरूद्ध विद्युत देयक की बकाया राशि नहीं है तथा विचाराधीन प्रकरण पर धारा 127 के अंतर्गत गठित अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष या किसी अन्य न्यायालय के समक्ष कोई अपील लंबित नहीं है न ही निर्णित है÷ सत्यापित कर सबमिट करना होगा।

मिठी स्कूल के छात्रों ने सहोदय कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में किया शानदार प्रदर्शन

संत हिरदाराम नगर। मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के छात्रों ने सहोदय ग्रुप द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित सहोदय कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान (रनर-अप) प्राप्त किया और विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। यह उपलब्धि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन एवं टीम भावना का परिणाम है। टीम ने यह सफलता खेल प्रशिक्षक संत चौरहा के मार्गदर्शन में हासिल की। पूरी प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अपने कौशल, दृढ़ निश्चय और टीमवर्क का प्रभावशाली परिचय दिया। चुनौतीपूर्ण मुकाबलों से गुजरते हुए विद्यालय की टीम ने धैर्य एवं आत्मविश्वास के बल पर फाइनल चरण तक पहुँच बनाई। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच छात्रों ने शानदार खेल दिखाते हुए रनर-अप ट्रॉफी स्कूल के नाम की। विद्यालय के प्रतिभावान खिलाड़ियों में जपेश ज्ञानचंदानी, अंशुल रामचंदानी, भरत वासवानी और नील उत्तमचंदानी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि वरूण पारवानी, सौमिल चेलानी और ऋषभ अडवाणी ने चतुर्थ स्थान हासिल कर विद्यालय की उपलब्धियों में और वृद्धि की।

समय बदलता है, लोग बदलते हैं, पर स्कूल की मित्रता और स्मृतियां हमेशा आत्मा को नई ऊर्जा देती हैं : योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल, नप्र। स्कूल की बेंचें बदली नहीं, बस हम बड़े हो गए, मित्रता और यादें आज भी उतनी ही ताज़ी और उजली हैं। स्कूल जीवन, मित्रता और 40 वर्षों बाद का अनमोल पुनर्मिलन - चार दशक बाद जब राजस्थान हिन्दी हाई स्कूल, शाहीबाग, अहमदाबाद (गुजरात) का वही क्लासरूम, वही बेंचें, वही ब्लैकबोर्ड और वही अलमारी हमें वापस मिली - तो लगा जैसे समय ने एक सुंदर चक्र पूरा कर लिया हो। उन पुराने दिनों की खुशबू, मासूमियत और सीखें उसी क्षण जीवंत हो उठीं। मित्रों के साथ उन्हीं बेंचों पर बैठकर ऐसा लगा मानो किशोरावस्था फिर लौट आई हो। सबसे वरिष्ठ शिक्षक- प्राचार्य के साथ लिया गया समूह- फोटो इस पल को और भी पवित्र बना गया। आज के इस मिलन समारोह ने यह स्मरण दिलाया कि राजस्थान हिन्दी हाई स्कूल केवल शिक्षा का स्थान नहीं था, बल्कि जीवन-मूल्यों, संस्कारों और मित्रता का प्रथम आश्रम था। मित्रों ने अपने संस्मरण सुनाए - मस्ती, शरारतें, अनुशासन और अनगिनत अविस्मरणीय क्षणज सब फिर से आँखों के सामने तैर गए। संदेश यही है कि यादें कभी बूढ़ी नहीं होतीं, मित्रता कभी फीकी नहीं पड़ती, और गुरुओं का आशीर्वाद जीवन की सबसे बड़ी पूँजी है। स्कूल जीवन की सरलता, पवित्रता और प्रेम को सदैव हृदय में सँजोकर रखें-यही हमारे व्यक्तित्व की वास्तविक नींव है।

स्मार्ट मीटर बिना सूचना बदले जाने पर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने एस डी एम को सौंपा ज्ञापन

भोपाल, नप्र। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत भोपाल ग्रामीण द्वारा आज दिनांक 21/11/2025 को स्मार्ट मीटर बिना उपभोक्ताओं को पूर्व सूचना दिए बदले जाने के विरोध में एसडीएम बैरसिया आशुतोष शर्मा को ज्ञापन सौंपा गया। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि शासन व विद्युत विभाग आम उपभोक्ताओं को पूर्व में सूचना व अनुमति दिए बिना स्मार्ट मीटर का परिवर्तन जारी रखता है, तो उपभोक्ताओं को जन आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। ग्राहक पंचायत भोपाल ग्रामीण को पिछले कुछ दिनों में इस संबंध में अनेक शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिसके बाद आज यह ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन देने वालों में जिला प्रभारी खजान सिंह ठाकुर, जिला सचिव डॉ. सुनील शर्मा, रोजगार आयाम प्रमुख अमित साहू, नगर प्रमुख नीरज नामदेव, पर्यावरण आयाम प्रमुख कैलाश नारायण, जिला सह सचिव बंटी मेहर, नीरज साहू, अभिषेक, प्रमोद सोनी, नीरज नामदेव, अभिषेक सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संगठन ने मांग की है कि उपभोक्ताओं के अधिकारों का सम्मान करते हुए किसी भी मीटर परिवर्तन से पहले उनकी सहमति सुनिश्चित की जाए।

बिग बॉस 19 : फिनाले से पहले फराह खान का बड़ा इशारा

सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 19 का फिनाले नज़दीक है और दर्शक इस बात को लेकर उत्सुक हैं कि आखिर इस बार ट्रॉफी कौन जीतेगा। इसी बीच फ़राह खान जो बिग बॉस की बड़ी फैन हैं और कई बार वीकेंड का वार होस्ट भी कर चुकी हैं, ने अपने पॉडकास्ट पर विजेता को लेकर बड़ा संकेत दे दिया है। फ़राह, जो अक्सर शो के कंटेस्टेंट्स को अपने व्लॉग में भी बुलाती हैं, हाल ही में सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर नज़र आईं। यहां उनसे पूछा गया कि उन्हें कौन बिग बॉस 19 जीतते हुए दिखाई देता है।सोहा ने सीधा सवाल पूछा, कौन होगा बिग बॉस 19 का विनर? शुरुआत में फ़राह जवाब देने से बचती दिखीं। उन्होंने कहा, मैं बिग बॉस के बहुत करीब हूँ, वहां होस्ट भी करती हूँ, इसलिए किसी का नाम लेकर लोगों की राय को प्रभावित नहीं करना चाहती। लेकिन कुछ ही देर बाद वे अपनी राय बताने से खुद को रोक नहीं पाईं।फ़राह खान ने साफ़ कहा कि इस बार शो में सबसे ज्यादा प्रभावशाली खिलाड़ी गौरव खन्ना नज़र आ रहे हैं। वो उनके पसंदीदा कंटेस्टेंट हैं। उन्होंने कहा, सब मिलकर गौरव के खिलाफ हो रहे हैं, लेकिन वह बेहद गरिमा से खेल रहे हैं। वह ग़लत भाषा का उपयोग नहीं करते, अपनी गरिमा बनाये रखते हैं। यही बात बाकी कंटेस्टेंट्स को परेशान कर रही है। जितना टॉक्सिक माहौल होता है, गौरव उतने शांत और मजबूत दिखते हैं। इस दौरान फ़राह ने यह भी याद किया कि पिछले साल उन्होंने करणवीर मेहरा को विजेता बताया था, जो बाद में सच भी निकला। इसलिए उनकी राय को फैंस काफी महत्व दे रहे हैं। हाल के हफ्तों में कई मजबूत प्रतियोगी बाहर हो चुके हैं जैसे ज़ीशान, बेसिर अली खान, निहाल चुडासमा, नीलम गिरी और अभिषेक बजाज। अब ट्रॉफी की रेस में बचे प्रतियोगी हैं गौरव खन्ना, अमाल मलिक, अशनूर कौर, फरहाना भट्ट, तान्या मित्तल, कुनिका सदानंद,मालती चाहर और प्रनीत मोरे। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा गौरव खन्ना की हो रही है।

बिग बॉस से बाहर होते ही काम पर लग गईं नीलम 'सूट में लागब ऐश्वर्या' सॉन्ग से मचा रहीं तहलका

भोजपुरी एक्ट्रेस नीलम गिरी बिग बॉस 19 की कंटेस्टेंट के तौर पर बड़े लेवल पर अपनी पहचान बना चुकी हैं. कुछ वक्त पहले ही नीलम घर से बाहर आ गई हैं और बाहर आने के बाद ही वो अपने सोशल मीडिया पर एक्टिव हो गई हैं. इसके साथ ही साथ वो अपने फैंस के लिए कई कमाल के सरप्राइजेज टाइम-टाइम पर रिवील कर रही हैं. कुछ वक्त पहले जहां उनकी अपकमिंग फिल्म का ट्रेलर सामने आया था, तो वहीं अब उनका लेटेस्ट गाना इंटरनेट पर छा रहा है.नीलन गिरी भोजपुरी फिल्मी जगत में काफी फेमस नाम हैं, बिग बॉस के घर में भी लोगों ने उन्हें बहुत पसंद किया. लेकिन, कुछ वक्त पहले ही वो घर से बेघर हो गईं और बिग बॉस का उनका सफर खत्म हो गया. इसी के साथ जब वो बाहर आईं, तो उनकी फैन फॉलोइंग में काफी इजाफा भी देखने को मिला. अब एक्ट्रेस अपने काम पर भी जमकर फोकस कर रही हैं. घर से बाहर आते ही उनका एक गाना रिलीज हुआ है, जिसे लोग पसंद कर रहे हैं.नीलम के इस गाने का टाइटल 'सूट में लागब ऐश्वर्या' है, जो कि 17 नवंबर को रिलीज हुआ है, जो कि फेमस सिंगर शिल्पी राज की आवाज में हैं. इस गाने में नीलम के साथ प्रवेश लाल यादव भी दिख रहे हैं, दोनों को साथ में लोग पसंद कर रहे हैं. दोनों की ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री काफी कमाल की लग रही है और गाना भी काफी जबरदस्त है. कमाल की बात है कि प्रवेश लाल यादव केवल गाने की वीडियो में ही नहीं दिखे, बल्कि इसमें उन्होंने आवाज देने के साथ इसे प्रोड्यूस भी किया है. गाने के अलावा कुछ वक्त पहले नीलम की फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हुआ, एक्ट्रेस की अपकमिंग फिल्म का नाम 'मनमोहनी' है, जो कि राज कुमार की डायरेक्शन में बन रही है. ये फिल्म काफी इमोशनल एंगल पर बनाई गई है।

ग्रैंड वेडिंग में माधुरी दीक्षित ने डोला रे डोला पर किया डांस, यूजर्स बोले- ऐश्वर्या भी होनी चाहिए थीं

बिजनेसमैन रामा राजू मंटेना की बेटी नेत्रा मंटेना की शादी चर्चा में बनी है. शादी टेक एंटरप्रेन्योर वामसी गदिराजू संग हो रही है. उनकी शादी चर्चा में बनी है. बड़े-बड़े सेलेब्स इस शादी का हिस्सा हैं. अब मेहंदी सेरेमनी का एक वीडियो सामने आया है, इसमें एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित डांस करती दिख रही हैं. वो फिल्म देवदास के गाने डोला रे डोला पर डांस कर रही हैं. माधुरी की एनर्जेटिक परफॉर्मेंस बहुत पसंद आ रही है. इस दौरान उन्होंने ग्रीन लहंगा पहना और साथ में पिंक दुपट्टा कैरी किया है. माधुरी को इस गाने पर डांस करते देख फैंस को ऐश्वर्या राय भी याद आ गई हैं. एक यूजर ने लिखा- अच्छा है पर ऐश्वर्या और होती तो ज्यादा मजा आता. बता दें कि ओरिजनल सॉन्ग में माधुरी और ऐश्वर्या दोनों ने डांस किया था. उदयपुर की ग्रैंड वेडिंग में माधुरी दीक्षित ने डोला रे डोला पर किया डांस, यूजर्स बोले- ऐश्वर्या भी होनी चाहिए थीं डोला रे डोला के अलावा माधुरी ने ढोलिडा, जय हो और रंगीलो मारो ढोलना जैसे गानों पर डांस किया है. मालूम हो कि इस मेहंदी सेरेमनी की होस्ट दीया मिर्जा थीं. वहीं नोरा फतेही ने भी अपने डांस से स्टेज पर आग लगा दी थी. बता दें कि नेत्रा और वामसी की वेडिंग फेस्टिविटीज 21 नवंबर से शुरू हुई. 23 नंवबर को वो शादी के बंधन में बंधेंगे. उनकी संगीत नाइट में करण जौहर और सौफी चौधरी ने होस्ट किया. रणीर सिंह, वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, कृति सेनन और शाहिद कपूर जैसे स्टार्स ने डांस किया और अपनी परफॉर्मेंस से संगीत में जान डाल दी थी।

माहिका शर्मा ने हार्दिक पांड्या संग सगाई और प्रेग्नेंसी अफवाहों को किया खारिज

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही चर्चाओं को मज़ाकिया अंदाज़ में खारिज करते हुए माहिका ने साझा किया कि उनकी जिंदगी के निजी पलों पर इंटरनेट तेजी से अनुमान लगा रहा है — पर सच्चाई बिल्कुल अलग है।

मॉडल-अभिनेत्री माहिका शर्मा ने क्रिकेटर हार्दिक पांड्या के साथ अपनी कथित सगाई और प्रेग्नेंसी अफवाहों पर सफाई दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही चर्चाओं को मज़ाकिया अंदाज़ में खारिज करते हुए माहिका ने साझा किया कि उनकी जिंदगी के निजी पलों पर इंटरनेट तेजी से अनुमान लगा रहा है – पर सच्चाई बिल्कुल अलग है। अफवाहों की शुरुआत कहानी तब शुरू हुई जब हाल ही में हार्दिक पांड्या ने अपनी जीवन की तीन प्राथमिकताएं – क्रिकेट, उनके बेटे अगस?त?य और माहिका – बताने वाले पोस्ट शेयर किए थे। इस पोस्ट में उन्होंने एक पूजा समारोह की झलक भी दी, जहाँ माहिका का हाथ एक चमकीले डायमंड रिंग के साथ दिखा। इसी रिंग को देखकर सोशल मीडिया पर लोगों ने यह नतीजा निकाला कि दोनों ने सगाई कर ली है। माहिका का जबाब इन चर्चाओं के बीच, माहिका शर्मा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी राय व्यक्त की और अफवाहों को मज़ाक में उड़ा दिया। उन्होंने काली बिल्ली की विडियोक्लिप शेयर की जिसमें बिल्ली पिंक विग पहन रही थी, और कैप्शन दिया- इस पोस्ट से माहिका यह साफ़ करना चाह रही थीं कि उनका गोल्ड-डायमंड पहनना सगाई या किसी कमिटमेंट का संकेत नहीं है – वे सिर्फ़ ज़्यादा ज्वेलरी पहनना पसंद करती हैं।

शूटिंग के दौरान श्रद्धा को लगी चोट

श्रद्धा कपूर को अपनी आने वाली फिल्म 'ईथा' की शूटिंग के दौरान एक लावणी डांस सीक्वेंस करते समय पैर में फैक्चर हो गया। चोट बढ़ने के बाद मेकर्स ने शूटिंग फिलहाल रोक दी है और टीम श्रद्धा के पूरी तरह स्वस्थ होने का इंतज़ार कर रही है।

लॉलीवुड की चुलबुली, सोशल मीडिया-फ्रेंडली और हमेशा मुस्कुराती रहने वाली श्रद्धा कपूर इन दिनों सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह कोई नया गाना या फोटोशूट नहीं, बल्कि एक अप्रत्याशित हादसा है। करीब एक साल बाद 'ईथा' नाम की अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर चुकी श्रद्धा को हाल ही में सेट पर गंभीर चोट लगी, जिसकी वजह से फिल्म की शूटिंग रोकनी पड़ी। यह खबर सामने आने के बाद से ही उनके फैन्स चिंतित हो गए हैं और लगातार उनकी सेहत को लेकर अपडेट मांग रहे हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रद्धा कपूर 'ईथा' के लिए एक लावणी डांस नंबर की शूटिंग कर रही थीं, जब यह दुर्घटना हुई। महाराष्ट्र की पारंपरिक लावणी कला तेज बीट्स और भारी फुटवर्क के लिए जानी जाती है। इसी दौरान एक स्टेप में संतुलन बिगड़ने के कारण श्रद्धा ने अपने पूरे शरीर का वजन गलत तरीके से बाएं पैर पर डाल दिया, जिससे उनका संतुलन बिगड़ गया और उनके पैर की उंगली में फ्रैक्चर हो गया। दर्द इतना तेज था कि शूट तुरंत रोकना पड़ा।'ईथा' कोई साधारण फिल्म नहीं, बल्कि मशहूर तामाशा कलाकार और दिग्गज लावणी डांसर विठाबाई भाऊ मंग नारायणगांवकर की बायोपिक है। श्रद्धा इस फिल्म में विठाबाई का किरदार निभा रही हैं और इस रोल के लिए उन्होंने शारीरिक रूप से भी काफी मेहनत की है। रिपोर्ट्स की मानें तो अपने किरदार को प्रामाणिक दिखाने के लिए उन्होंने करीब 15 किलो वजन बढ़ाया, जिसकी वजह से डांस के दौरान चोट की संभावना और बढ़ गई।शूट के समय श्रद्धा ने नौवारी साड़ी, भारी जेवर और कमरपट्टा पहना हुआ था, जिससे स्टेप्स करना और चुनौतीपूर्ण था। हालांकि चोट के बावजूद श्रद्धा ने तुरंत शूट रोकने की जगह शेड्यूल बदलने का सुझाव दिया और क्लोज-अप शॉट्स शूट करने की इच्छा जताई यह उनकी प्रोफेशनलिज़्म और समर्पण का सबसे बड़ा प्रमाण है।शूटिंग टीम ने पहले पुणे और फिर मुंबई के मध आइलैंड में कुछ इमोशनल सीन शूट किए, लेकिन कुछ दिनों बाद दर्द बढ़ने के कारण मेडिकली शूट रोकना जरूरी हो गया। अब फिल्म की टीम दो हफ्तों के लिए यूनिट को ब्रेक दे रही है और श्रद्धा के पूरी तरह ठीक होने का इंतज़ार करेगी।

माहित ने बधिर ओलंपिक में जीता अपना दूसरा स्वर्ण

टोक्यो, एजेंसी। माहित ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान बधिर खेलों का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने क्वालिफाइंग दौर में 585 अंक बनाए और शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया। भारत की माहित संधू ने बधिर ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

माहित ने टोक्यो में चल रहे बधिर ओलंपिक खेलों की निशानेबाजी प्रतियोगिता में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में स्वर्ण पदक जीता जो उनका चौथा पदक है। माहित ने 45 शॉट के बाद कुल 456.0 अंक हासिल कर बधिर ओलंपिक खेलों का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया की डैन जियोंग ने 453.5 अंक के साथ रजत और हंगरी की मीरा जुज़ाना बियातोव्स्की ने 438.6 अंक के साथ कांस्य पदक जीता।

माहित ने बनाया बधिर खेलों का नया रिकॉर्ड: माहित ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान बधिर खेलों का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने क्वालिफाइंग दौर में 585 अंक बनाए और शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया। माहित ने नीलिंग में 194, प्रोन में 198 और स्टैंडिंग में 193 अंक प्राप्त किए तथा पिछले वर्ष हनोवर में आयोजित विश्व बधिर निशानेबाजी चैंपियनशिप में बनाए गए 576 अंकों के अपने ही पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

भारत की नताशा जोशी ने भी 566 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। वह फाइनल में 417.1 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। भारतीय निशानेबाजों ने बधिर ओलंपिक में अब तक पांच स्वर्ण, छह रजत और तीन कांस्य सहित 14 पदक जीते हैं। अभिनव देशवाल और चेतन हनमंत सपकाल 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा में हैं।

एशेज : सिर्फ 2 दिनों में खत्म हुआ पर्थ टेस्ट

ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट से जीता मुकाबला

पर्थ, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ पर्थ स्टेडियम में खेले गए एशेज सीरीज 2025-26 के पहले मुकाबले को 8 विकेट से अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ मेजबान टीम ने 5 मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से लीड बना ली। यह मैच सिर्फ दो ही दिन चला।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। यह टीम 32.5 ओवरों में सिर्फ 172 रन ही बना सकी। इंग्लैंड की ओर से इस पारी में हैरी ब्रूक ने सर्वाधिक 52 रन बनाए, जबकि ओली पोप ने 46 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की तरफ से मिचेल स्टार्क ने 12.5 ओवरों में 58 रन देकर 7 विकेट हासिल किए, जबकि ब्रेंडन डोगेट ने 2 विकेट निकाले। 1 विकेट कैमरून ग्रीन के नाम रहा।

इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम सिर्फ 132 रन पर सिमट गई। इस पारी में एलेक्स कैरी ने 26 रन की पारी खेली, जबकि कैमरून ग्रीन ने 24 रन टीम के खाते में जोड़े। इंग्लैंड की ओर से कप्तान बेन स्टोक्स ने 6 ओवरों में 23 रन देकर 5 विकेट हासिल किए, जबकि ब्रायडन कार्स ने 3 सफलताएं हासिल कीं। इंग्लैंड ने पहली पारी के आधार पर 40 रन की बढ़त बना कर ली थी। इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 164 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 205 रन का लक्ष्य दिया। इंग्लैंड की दूसरी पारी में गस एटकिंसन ने सर्वाधिक 37 रन बनाए, जबकि ओली पोप ने 33 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, बेन डकेट ने 28 रन की पारी खेली। मिचेल स्टार्क और ब्रेंडन डोगेट ने इस पारी में 3-3 विकेट निकाले, जबकि स्कॉट बोलैंड ने 4 विकेट हासिल किए। सिर्फ 5 सेशन में 30 विकेट गिर चुके थे। यहां से लगा कि ऑस्ट्रेलिया के लिए 205 रन तक पहुंचना आसान नहीं होगा, लेकिन सलामी जोड़ी ने मेजबान टीम को शानदार शुरुआत दिलाते हुए जीत की नींव रखी। ट्रेविस हेड ने जैक वेदरलैंड के साथ 11.3 ओवरों में 75 रन जुटाए। वेदरलैंड 34 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद मार्नस लाबुशेन ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर शतकीय साझेदारी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को जीत की दहलीज तक पहुंचाया।

हेड 83 गेंदों में 4 छक्कों और 16 चौकों के साथ 123 रन बनाकर आउट हुए, जबकि लाबुशेन ने नाबाद 51 रन की पारी खेली।

पूर्व विश्व चैंपियन गोलोवकिन वर्ल्ड बॉक्सिंग के नए अध्यक्ष बने

वॉशिंगटन, एजेंसी। गोलोवकिन ने 2004 में ओलंपिक में रजत पदक जीता था और पेशेवर बनने के बाद वह लंबे समय तक विश्व चैंपियन रहे। उन्होंने 2022 में संन्यास ले लिया था। अब उन्हें नई जिम्मेदारी मिली है। पूर्व विश्व चैंपियन गेनाडी गोलोवकिन विश्व मुक्केबाजी की सर्वोच्च संस्था वर्ल्ड बॉक्सिंग के नए अध्यक्ष चुने गए हैं। कजाकिस्तान के रहने वाले गोलोवकिन को वर्ल्ड बॉक्सिंग के अध्यक्ष पद के लिए यूनान के हरिलाओस मारिओलिस के खिलाफ चुनाव लड़ने की उम्मीद थी, लेकिन संगठन ने शुक्रवार को कहा कि जांच प्रक्रिया के बाद वह एकमात्र योग्य उम्मीदवार पाए गए हैं।

गोलोवकिन ने एक प्रतिनिधि के माध्यम से जारी बयान में कहा, 'मुझे सूचित किया गया है कि अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल एकमात्र अन्य उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया है।' उन्होंने कहा, 'मैं वर्ल्ड बॉक्सिंग के स्वतंत्र जांच पैनल के काम की सराहना करना चाहूंगा, जिसने यह सुनिश्चित करने में मदद की कि सभी चुनाव ओलंपिक खेल में प्रशासन के उच्चतम मानकों के अनुसार निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हों। कजाकिस्तान के पूर्व मिडिलवेट चैंपियन गोलोवकिन को अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा था, क्योंकि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ संबंधों को फिर से सुधारने के लिए वर्ल्ड बॉक्सिंग के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। गोलोवकिन ने 2004 में ओलंपिक में रजत पदक जीता था और पेशेवर बनने के बाद वह लंबे समय तक विश्व चैंपियन रहे। उन्होंने 2022 में संन्यास ले लिया था।

लक्ष्य सेन ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे

सिडनी, एजेंसी। फाइनल में लक्ष्य का सामना या तो जापान के युशी तानाका या चीनी ताइपे के पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुने-यी से होगा। इस सीजन लक्ष्य अभी तक कोई खिताब नहीं जीत पाए हैं, इसलिए यह फाइनल उनके लिए बेहद खास मौका होगा। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने विश्व नंबर-छह और दूसरे वरीय खिलाड़ी चौ तिएन-चेन (चीनी ताइपे) को कड़े संघर्ष में 17-21, 24-22, 21-16 से पराजित किया। यह मुकाबला करीब 86 मिनट तक चला और इसमें लक्ष्य का जज्बा और धैर्य देखने लायक था।

पहला गेम: धीमी शुरुआत, दबाव में गिरे अंक

पहले गेम में लक्ष्य की शुरुआत कमजोर रही और चेन ने अपनी सटीक प्लेसमेंट और आक्रामक गेम के दम पर 11-6 की बढ़त बना ली। लक्ष्य ने कुछ शानदार शॉट्स जरूर लगाए, लेकिन लगातार गलतियों ने अंतर बढ़ाया और वे पहला गेम 17-21 से हार गए।

दूसरा गेम: रफ्तार, धैर्य और वापसी की कहानी

दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी रैलियों और शानदार नेट गेम देखने को मिला। स्कोर कई बार बराबर पहुंचा, लेकिन अंतिम पलों में लक्ष्य के शानदार स्मैश और आत्मविश्वास ने उन्हें 24-22 से गेम जिताया। यह जीत निर्णायक साबित हुई क्योंकि इससे मैच का मोमेंटम भारत की ओर शिफ्ट हुआ।

तीसरा गेम: अनुभव बनाम ऊर्जा और जीत लक्ष्य की

निर्णायक गेम में लक्ष्य ज्यादा फिट और तेज नजर आए, जबकि 35 वर्षीय चेन की रफ्तार कम होती दिखी। लक्ष्य ने लगातार दबाव बनाए रखा और 6-1 की शुरुआती बढ़त के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। शानदार नेट ड्रॉप्स, सटीक स्मैश और आत्मविश्वास भरे शॉट्स की बदौलत लक्ष्य ने गेम 21-16 से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।

अब फाइनल में मुकाबला

फाइनल में लक्ष्य का सामना या तो जापान के युशी तानाका या चीनी ताइपे के पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुने-यी से होगा। इन दोनों के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाना है। इस सीजन लक्ष्य अभी तक कोई खिताब नहीं जीत पाए हैं, इसलिए यह फाइनल उनके लिए बेहद खास मौका होगा।

न्यूजीलैंड - वेस्टइंडीज:

न्यूजीलैंड ने तीसरा वनडे 4 विकेट से जीता, वेस्टइंडीज को 3-0 से किया क्लीन स्वीप

हैमिल्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने सेडन पार्क में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 4 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। कीवी तेज गेंदबाज मैट हेनरी को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का फैसला किया, लेकिन पूरी टीम 36.2 ओवर में 161 रन पर सिमट गई। रोस्टन चेस ने 51 गेंदों पर 38 रन बनाकर टीम के लिए सबसे बड़ी पारी खेली। जॉन कैंपबेल ने 26 और खैरी पियरे ने नाबाद 22 रन बनाए।

न्यूज़ीलैंड के लिए मैट हेनरी ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 4 विकेट झटके। जैकब डफी और कप्तान मिचेल सैंटनर ने 2-2 विकेट लिए। टारगेट का पीछा करते हुए न्यूज़ीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। डेवोन कॉन्वे (11), रचिन रविंद्र (14) और विल यंग (3) जल्दी आउट हो गए। लेकिन इसके बाद मार्क चैपमैन (64 रन, 63 गेंद) और माइकल ब्रेसवेल (नाबाद 40 रन, 31 गेंद) ने टीम को संभाला और 30.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर मैच जीत लिया। वेस्टइंडीज़ की ओर से मैथ्यू फोर्ड और जेडन सील्स ने 2-2 विकेट लिए। इससे पहले, न्यूज़ीलैंड ने पहला वनडे 7 रन से और दूसरा वनडे 5 विकेट से जीता था। टी20 सीरीज़ में भी न्यूज़ीलैंड ने वेस्टइंडीज़ पर 3-1 से कब्ज़ा किया था। अब दोनों टीमें 2 दिसंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू होने वाली 3 मैचों की टेस्ट सीरीज़ में आमने-सामने होंगी, जो आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का हिस्सा है।

महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड:

ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से रौंदकर फाइनल में पहुंचा भारत

कोलंबो, एजेंसी। भारत ने शनिवार को पी. सारा ओवल में ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से मात देकर महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड के फाइनल में जगह बना ली है। भारत की जीत में बसंती हंसदा ने अहम भूमिका निभाई, जिन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। ऑस्ट्रेलियाई टीम 37 के स्कोर तक अपने 5 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से चानाकन बुआखाओ ने जूली न्यूमैन के साथ टीम को संभाला।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 109 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बी2 बैटर जूली न्यूमैन ने 25 रन बनाए, जबकि बी3 प्लेयर्स चानाकन बुआखाओ ने 34 और कोर्टनी लुईस ने 14 रन बनाकर स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया, जिसमें 20 एक्स्ट्रा रन भी शामिल थे। भारत की तरफ से बी2 सिमरनजीत कौर, बी1 जमुना रानी और बी1 अनु कुमारी ने 1-1 विकेट हासिल किया। इसके जवाब में बी3 गंगा कदम ने तेजी से रन जुटाते हुए भारत को शानदार लय दिलाई। उन्होंने बी2 बसंती हंसदा के साथ 11 ओवरों में 93 रन बनाए। बसंती हंसदा 39 गेंदों में 3 चौकों के साथ 45 रन बनाकर रन आउट हुईं। यहां से बी1 स्ट्राइकर करुणा ने सिर्फ 5 गेंदों में 16 रन बनाकर मैच खत्म किया। भारत ने 11.5 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत की ओर से गंगा कदम 31 गेंदों में 3 चौकों के साथ 41 रन बनाकर नाबाद रहीं। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से बी3 कोर्टनी लुईस और बी3 एडेलिन रो ने 4-4 ओवर गेंदबाजी की, लेकिन विकेट हासिल नहीं कर सकीं। इनके अलावा, चानाकन बुआखाओ ने 3.5 ओवरों में 46 रन दिए, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। अब नेपाल और पाकिस्तान के बीच दूसरा सेमीफाइनल तय करेगा कि भारत रविवार को ऐतिहासिक फाइनल में किस टीम से भिड़ेगा। महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड टूर्नामेंट में छह टीमों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने एक ही राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे के साथ खेला। टीम इंडिया ने अपने सभी पांच मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

भारत-साउथ अफ्रीका :

व्हाइट बॉल सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका टीम घोषित

- बावुमा वनडे, मार्करम टी-20 में कप्तानी करेंगे, भारत के खिलाफ 30 नवंबर से मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने भारत के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा ही वनडे में भी टीम को लीड करेंगे। वहीं ऐडन मार्करम टी-20 फॉर्मेट में कप्तानी संभालते नजर आएंगे। दोनों टीमों के बीच 30 नवंबर से 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज शुरू होगी।

रांची में पहला वनडे होगा

साउथ अफ्रीका ने वनडे टीम में ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जकी, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, प्रनेलन सुब्रायन और रुबिन हरमन को शामिल किया। ये सभी प्लेयर्स फिलहाल खेली जा रही टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। वनडे सीरीज के 3 मैच रांची, रायपुर और विशाखापट्टनम में खेले जाएंगे।

रोहित शर्मा और विराट कोहली करीब 10 महीने बाद भारत में इंटरनेशनल मैच खेलते नजर आएंगे। दोनों ने इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी बार घरेलू मैदान पर वनडे सीरीज खेली थी।

फिर दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद दोनों ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया सीरीज से वापसी की थी। टेम्बा बावुमा वनडे सीरीज में भी साउथ अफ्रीका की कप्तानी करते नजर आएंगे।

19 दिसंबर को खत्म होगा दौरा

टी-20 टीम में डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, जॉर्ज लिंडे, डेविड मिलर और एनरिक नॉर्त्या को शामिल किया गया। सीरीज के 5 मुकाबले 9 से 19 दिसंबर तक खेले जाएंगे। मुकाबले कटक, मुल्लांपुर, धर्मशाला, लखनऊ और अहमदाबाद में होंगे। साउथ अफ्रीका का भारत दौरा 14 नवंबर से कोलकाता में शुरू हुआ। यहां टीम ने पहला टेस्ट जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। अब दूसरा मुकाबला गुवाहाटी में 22 नवंबर से खेला जाएगा।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा को राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करने का भरोसा, ग्लास्गो में होनी है बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। उषा ने उम्मीद जताई कि 26 नवंबर को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेल आमसभा की बैठक के दौरान 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिल जाएगी।

भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा को राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी भारत को मिलने का पूरा यकीन है। उषा ने उम्मीद जताई कि 26 नवंबर को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेल आमसभा की बैठक के दौरान 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिल जाएगी। पिछले महीने राष्ट्रमंडल खेल कार्यकारी बोर्ड ने अहमदाबाद में इन खेलों के आयोजन की सिफारिश की थी। ग्लास्गो में होने वाली बैठक में अंतिम मंजूरी मिलेगी। अहमदाबाद के अलावा नाइजीरिया का अबुजा मेजबानी की दौड़ में है। राष्ट्रमंडल खेल को 2030 में 100 साल भी पूरे होने जा रहे हैं। राष्ट्रमंडल खेल कार्यकारी बोर्ड ने भविष्य में मेजबानी की संभावना के लिए नाइजीरिया के साथ काम करने पर भी सहमति जताई जिसमें 2034 खेलों की मेजबानी की संभावित दावेदारी शामिल है। पीटी उषा ने कहा, हम शनिवार को ग्लास्गो रवाना हो रहे हैं। मुझे पूरा यकीन है कि लोगों की उम्मीदें पूरी होंगी। दो तीन दिन इंतजर कर लें। भारतीय खेल तभी आगे बढ़ेंगे जब हम मिलकर आगे बढ़ेंगे। देश के कोने कोने में प्रतिभायें हैं लेकिन मौके हर बच्चे तक पहुंचने चाहिए।

इस बहुत बड़े 'ब्लंडर' की वजह से सेमीफाइनल हारा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप राइजिंग स्टार्स के सेमीफाइनल मैच में बांग्लादेश ने भारत पर रोमांचक जीत दर्ज की. जानिए टीम इंडिया अपनी किस सबसे बड़ी गलती की वजह से हारी. एशिया कप राइजिंग स्टार्स के सेमीफाइनल मैच में बांग्लादेश ने भारत पर रोमांचक जीत दर्ज की.

सुपर ओवर तक चले इस मैच को बांग्लादेश ने वाइड गेंद की मदद से जीता. दरअसल सुपर ओवर में भारत ने बिना रन बनाए अपने दोनों विकेट गंवा दिए थे. बांग्लादेश को सुपर ओवर जीतने के लिए सिर्फ एक रन बनाना था. सुयश शर्मा वाइड गेंद फेंक बैठे, जिसके चलते बांग्लादेश के स्कोरकार्ड में एक रन जुड़ गया और

- वैभव सूर्यवंशी को बाहर करने से सभी भड़के

उसने फाइनल में एंट्री ली. मगर भारत की इस शर्मनाक हार का असली कारण आखिर क्या रहा?

इस गलती की वजह से हारा भारत

पारी की आखिरी गेंद पर 3 रन भाग कर भारतीय बल्लेबाज जैसे-तैसे मैच को सुपर-ओवर तक ले गए थे. भारतीय टीम के पास फाइनल में जाने का सुनहरा मौका था, लेकिन सुपर ओवर में भारतीय मैनेजमेंट बहुत बड़ी

गलती कर बैठा. भारतीय टीम ने जीतेश शर्मा और रमनदीप सिंह को बल्लेबाजी के लिए भेजा. एक तरफ जीतेश शर्मा टूर्नामेंट के पहले मैच के बाद बैटिंग में चले ही नहीं हैं, वहीं रमनदीप सिंह को भी बहुत बड़े-बड़े शॉट लगाने के लिए नहीं जाना जाता है.

वैभव सूर्यवंशी को नहीं भेजा

सुपर ओवर की स्थिति आने पर भारतीय टीम को अपने दोनों नियमित ओपनिंग बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और प्रियांश आर्या से शुरुआत करवानी चाहिए थी. सूर्यवंशी ने पूरे टूर्नामेंट में करीब 244 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बैटिंग की. वहीं बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में उन्होंने पहली ही गेंद पर बल्ला घुमाना शुरू कर दिया और पारी की पहली 3 गेंदों में 2 छक्के जड़ दिए थे. जब टीम को सूर्यवंशी की सबसे अधिक जरूरत थी, तब उन्हें बैटिंग के लिए नहीं लाया गया.

दूसरी ओर प्रियांश आर्या इस मैच में 23 गेंदों में 44 रन की पारी खेल चुके थे. 4 चौके और 3 छक्के लगाने वाले प्रियांश भी अच्छे टच में लग रहे थे.

इस सबको नजरंदाज कर मैनेजमेंट ने जीतेश शर्मा और रमनदीप सिंह से सुपर ओवर की शुरुआत करवाई. ये भारतीय टीम का बहुत बड़ा 'ब्लंडर' कहा जा सकता है.

क्लब में पार्टी करने गए युवक से कई लड़कों ने की मारपीट

गुरुग्राम। सेक्टर-40 थाना क्षेत्र के क्लब में दोस्तों के साथ पार्टी करने आए एक युवक से अन्य युवकों ने मारपीट करके उसे घायल कर दिया। पीड़ित युवक की शिकायत पर पुलिस ने मामले के चार दिन बाद एफआईआर दर्ज है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

गुड़गांव गांव निवासी सुनील कटारिया ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 15 नवंबर को अपने दोस्तों के साथ पार्टी करने सेक्टर-30 स्थित इबोला क्लब में गया था। क्लब से बाहर निकलने के दौरान विक्रम कटारिया ने उसके साथ झगड़ा किया। इसके बाद विक्रम ने कॉल करके अपने दोस्तों को बुला लिया। इसके बाद विक्रम कटारिया के 6-7 दोस्त तीन गाड़ियों में सवार होकर आए और सुनील कटारिया के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। इस मारपीट में सुनील कटारिया की नाक पर चोट लगी। सुनील को उसके दोस्तों ने उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। 19 नवंबर को पीड़ित सुनील कटारिया की शिकायत पर सेक्टर-40 थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। जांच अधिकारी विनय ने बताया कि मारपीट करने वाले युवकों को थाने में बुलाकर बयान दर्ज किए जाएंगे। दोनों पक्षों के बयान दर्ज होने और क्लब में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखने के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी क्योंकि फुटेज में झगड़े की सही वजह के बारे में पता चल सकेगा।

दो यूट्यूबरों से क्लब संचालकों व बाउंसरों ने की मारपीट : सेक्टर-49 में गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन में एक क्लब पर शनिवार की सुबह पार्टी की कवरेज करने गए दो यूट्यूबरों के साथ संचालकों व बाउंसरों ने मारपीट की। मारपीट के दौरान उनके यूट्यूब चैनल की माइक आर्डडी छीन ली और पत्थर मारकर कार का पिछला शीशा भी तोड़ दिया। कृष्णा कॉलोनी निवासी मनु मेहता ने सेक्टर-50 थाने में दी शिकायत में बताया कि शनिवार की सुबह वह अपने साथी सुनील यादव के साथ सेक्टर-49 स्थित एक क्लब पर कवरेज के लिए गए थे। क्लब में काफी संख्या में लड़के-लड़कियां पार्टी करने आए हुए थे और अंदर तेज आवाज में डीजे बज रहा था। उन्होंने क्लब में चल रहे कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग शुरू की तो संचालकों व बाउंसरों ने झगड़ना शुरू कर दिया। मनु मेहता ने पुलिस को बताया कि संचालकों ने मारपीट करने के साथ ही गोली मारने की धमकी भी दी। जब वे घटनास्थल से भागने लगे तो कार पर पत्थर फेंककर मारा, जिससे कार का पिछला शीशा भी टूट गया। जांच अधिकारी अनूप ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और छानबीन की जा रही है। जल्द ही मारपीट करने वालों से पूछताछ करके आगामी कार्रवाई की जाएगी।

दक्षिणी दिल्ली में आज कई मार्गों पर यातायात रहेगा बाधित, यातायात पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

दिल्ली : दक्षिणी दिल्ली में रविवार को कई मार्गों पर यातायात बाधित रहेगा। इसको लेकर दिल्ली यातायात पुलिस की ओर से एक एडवाइजरी जारी की गई है। दरअसल, जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में भारत का भविष्य शाहोथॉन-हाफ मैराथन आयोजित किया जा रहा है। इसमें हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ जुटेंगी। भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस ने सुबह 4 बजे से 9:30 बजे तक ट्रैफिक प्रबंधित किया है। मेहर चंद मार्केट सिग्नल से भारी वाहनों को फोर्थ एवेन्यू रोड और सेवा नगर मार्केट रोड होते हुए अरबिंदो मार्ग की ओर डायवर्ट किया गया है। इसके अलावा कोटला रेड लाइट से डिफेंस कॉलोनी मार्केट रोड की ओर डायवर्जन रहेगा। वहीं, जेएलएन स्टेडियम गेट नंबर 17 गोल चक्कर से वाहनों को सीजीओ कॉम्प्लेक्स आरएल होते हुए लाला लाजपत राय मार्ग की ओर भेजा जाएगा।

दूसरा और चौथा एवेन्यू रोड का ट्रैफिक जोरबाग रोड की तरफ डायवर्ट किया गया है। पुलिस ने बताया कि जेएलएन स्टेडियम आरएल से बीपी मार्ग तक भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। बीपी मार्ग और सीजीओ कॉम्प्लेक्स रोड पर ट्रैफिक धीमा चलने की आशंका है। मैराथन के दौरान इन मार्गों से बचने की सलाह दी गई है। हालांकि आपातकालीन वाहन पूरी तरह से चल सकेंगे, लेकिन उनसे भी बीपी मार्ग और सीजीओ कॉम्प्लेक्स रोड का उपयोग न करने की अपील की गई है। वहीं, ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे समय अनुसार वैकल्पिक मार्ग अपनाएं और अनावश्यक यात्रा से बचें।

झाड़ियों में मृत मिले बच्चे की तीन दिन बाद भी पहचान नहीं

गुरुग्राम। बिलासपुर थाना क्षेत्र में बुधवार की शाम को उदयपुरी गांव के पास केएमपी एक्सप्रेसवे की ग्रीन बेल्ट की झाड़ियों में मृत मिले बच्चे की तीन दिन बाद भी पहचान नहीं हो पाई है। मृत बच्चे के शरीर के हिस्से मिलने के मामले में पुलिस गहनता से छानबीन कर रही है। पुलिस को बच्चे के शरीर के अन्य हिस्से भी अभी नहीं मिले हैं। पुलिस आसपास के क्षेत्र में गुम हुए बच्चों के बारे में गुरुग्राम, नूंह, पलवल, झज्जर, फरीदाबाद, बहादुरगढ़ सहित आसपास के जिलों व क्षेत्र में जानकारी जुटाने में लगी है ताकि मृत बच्चे के बारे में कोई अहम सुराग मिल सके। अब तक पुलिस की जांच में सामने आया है कि बच्चे की किसी अन्य स्थान पर हत्या करने के बाद शरीर के हिस्सों को फेंक दिया गया। आशंका है कि इस हत्या का संबंध जादू-टोने से भी हो सकता है। बच्चे के शरीर के हिस्से नूंह जिले की सीमा से गुरुग्राम सीमा के करीब 30-40 मीटर अंदर मिले थे। शव के दोनों हाथ और एक पैर गायब थे। पुलिस के अनुसार बच्चे के शरीर पर लगी चोटों से पता चलता है कि उसे कहीं दूसरी जगह मारा गया होगा और जांच में गुमराह करने के लिए शव को केएमपी एक्सप्रेसवे के पास झाड़ियों में फेंक दिया। पुलिस ने बिलासपुर थाने में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। वहीं, अभी तक मृत बच्चे के मिले शरीर के हिस्सों का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया है। संभावना है कि रविवार या सोमवार को बच्चे के शरीर के हिस्सों का पोस्टमार्टम कराया जाए।

पुलिस की कई टीमें मामले की गहनता से छानबीन में लगी हैं। अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। केएमपी एक्सप्रेसवे व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही आसपास के थानों व क्षेत्र में किसी बच्चे के गुम होने के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। मृत बच्चे की पहचान करने का प्रयास किए जा रहे हैं।

खौफ का साया : देश की राजधानी में कुत्तों के बाद अब बंदरों के हमले, पूर्वी दिल्ली में आमजन की मुश्किलें दोगुनी

पूर्वी दिल्ली : पूर्वी दिल्ली की गलियों में अब हर कदम पर खौफ का साया मंडरा रहा है। जहां पहले आवारा कुत्तों से लोग परेशान थे, वहीं अब बंदरों का आतंक आमजन की जिंदगी को और मुश्किल बना रहा है। सुबह-सुबह घर से निकलना हो या बाजार में खरीदारी करना, हर जगह बंदरों के हमले का डर लोगों को सताता है। पीछा करना, काट लेना और हाथ से सामान छीनकर भाग जाना जैसी घटनाएं अब रोजमर्रा का हिस्सा बन चुकी हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इन हालातों के बावजूद दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे लोगों में दहशत और नाराजगी दोनों बढ़ती जा रही हैं।

पांडव नगर, मयूर विहार, न्यू अशोक नगर, राम नगर और जाफराबाद समेत अन्य इलाकों में रहने वाले लोगों ने बताया आए दिन बंदर घरों के बाहर तोड़-फोड़ करते हैं। बालकनी में रखे फूलों के गमले नीचे गिरा देते हैं। घर के बाहर धूप में सूख रहे कपड़े लेकर भाग जाते हैं। उसे गंदा कर देते हैं। पक्षियों के लिए रखा गया दाना-पानी भी इधर-उधर फेंक देते हैं। बंदरों की वजह से पार्कों में टहलने और सर्दी में धूप सेकने से भी लोग बचते हैं। बंदरों का झुंड पार्कों में आकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को परेशान करते हैं। भगाने की कोशिश करने पर बदंर आक्रामक हो जाते हैं और हमला कर देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आए दिन बंदर लोगों को काट रहे हैं, लेकिन प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है।

बंदरों के हमले की हो चुकी है कई घटनाएं

पांडव नगर स्थित रामलीला पार्क में तीन चार बंदरों ने मंगलवार को पार्क में टहल रहे सुशील कुमार को काट लिया था। उन्हें लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल भेज दिया गया।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से चार युवकों ने किया दुष्कर्म

गुरुग्राम। सोहना सिटी थाना क्षेत्र में नाबालिग को शादी का झांसा देकर चार युवकों ने दुष्कर्म किया। आरोपी युवकों के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके छानबीन शुरू कर दी है। फरीदाबाद के धौज थाने में पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित लड़की ने बताया कि आरोपियों ने शादी का झांसा देकर सोहना सिटी थाना क्षेत्र में उसके साथ वर्ष 2023 में दुष्कर्म किया था। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर फरीदाबाद के धौज थाने में जीरो एफआईआर दर्ज की। आगामी कार्रवाई के लिए जीरो एफआईआर को गुरुग्राम पुलिस को भेजी गई। गुरुग्राम पुलिस ने शुक्रवार को सोहना सिटी थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस की जांच में सामने आया कि मूलरूप से फरीदाबाद निवासी पीड़िता के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि चार युवकों ने उनकी बेटी को शादी का झांसा देकर फंसाया। उसके बाद चारों ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। मुख्य आरोपी अर्सलान ने उनकी नाबालिग बेटी को पहले अपने जाल में फंसाया। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच के दौरान साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

शहादत की कहानी : लाल किले पर लाइट एंड साउंड शो देखकर श्रद्धालु हुए भावुक, आज से आयोजित होंगे विशेष कार्यक्रम

दिल्ली : गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी दिवस पर राजधानी में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को गुरु तेग बहादुर साहिब और उनके अनन्य सेवकों भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दयाला की शहादत पर शुरू हुए लाइट एंड साउंड शो ने श्रद्धालुओं को भावुक कर दिया। लाल किला परिसर में शुरू हुआ यह शो श्रद्धालुओं के लिए खास आकर्षण बना।

इसमें गुरु साहिब के जीवन के महत्वपूर्ण पल और शहादत की कहानी को बेहद भावुक तरीके से पेश किया गया। शो को देखने के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचे जो गुरु साहिब के अद्वितीय बलिदान को याद कर भावुक हो उठे। इधर, आगरा से निकला नगर कीर्तन गुरुद्वारा शीशगंज साहिब तक पहुंच गया। इसमें दिल्ली के विभिन्न इलाकों से आए हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। कीर्तन के दौरान निहंग जत्थेबंदियों समेत विभिन्न पंथों के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। नगर कीर्तन की समाप्ति गुरुद्वारा शीशगंज साहिब पहुंचकर हुई जहां अरदास के बाद इसका समापन किया गया।

आज से आयोजित होंगे विशेष कार्यक्रम

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने बताया कि शहीदी दिवस के मुख्य कार्यक्रम 23, 24 और 25 नवंबर को आयोजित किए जाएंगे। मुख्य कार्यक्रम स्थल पर 50 हजार श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था की गई है जबकि लंगर स्थल पर एक ही समय में 20 हजार से अधिक लोग लंगर ग्रहण कर सकेंगे।

अब हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज देगी मिड-डे-मील की सामग्री

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार ने स्कूलों में मिलने वाले मिड-डे-मील को और बेहतर बनाने के लिए एक नया कदम उठाया है। अब पूरे राज्य में मिड-डे-मील में लगने वाली सभी खाद्य सामग्री की सप्लाई हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज करेगी। सरकार के मुताबिक इससे भोजन की गुणवत्ता और सुरक्षा दोनों में सुधार होगा। शिक्षा विभाग ने बताया कि एग्रो इंडस्ट्रीज के साथ एक साल के लिए समझौता किया गया है। इस दौरान चावल, दाल, तेल, मसाले, नमक और अन्य जरूरी सामग्री सीधे एग्रो इंडस्ट्रीज के स्टोर से सरकारी स्कूलों तक भेजी जाएगी। हर सामग्री को भेजने से पहले उसकी गुणवत्ता की जांच भी की जाएगी। पहले कई जगहों से सामग्री की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें मिलती थीं। नई व्यवस्था से यह समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी। इससे भोजन की गुणवत्ता सुधरेगी, पारदर्शिता बढ़ेगी, और बच्चों को अधिक पौष्टिक खाना मिलेगा। अब सामग्री स्कूलों तक सीधे पहुंचेगी, जिससे बीच में होने वाली गड़बड़ियों और देरी को रोका जा सकेगा। बाल वाटिका से लेकर कक्षा 8 तक के सभी बच्चों को इस व्यवस्था का लाभ मिलेगा। शिक्षा निदेशालय ने राज्य के सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को एएमएस पोर्टल पर प्रतिदिन 100 प्रतिशत रिपोर्ट अपडेट करने के निर्देश दिए हैं।

एमएफ हुसैन की पेंटिंग से जुड़े मामले पर दिल्ली HC ने मांगा जवाब, कोर्ट ने शिकायतकर्ता को भी भेजा नोटिस

नई दिल्ली। मशहूर चित्रकार एमएफ हुसैन की एक करोड़ से ज्यादा कीमत की पेंटिंग वापस न किए जाने पर मुकदमा चलाने के मामले में ट्रायल कोर्ट द्वारा जारी नोटिस के खिलाफ कांग्रेस नेता और पूर्व गृह राज्य मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने जवाब मांगा है।

न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की पीठ ने याचिका पर दिल्ली पुलिस के साथ-साथ शिकायतकर्ता रोहित सिंह महियारिया को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले में अब अगली सुनवाई सात अप्रैल 2026 को होगी। शिकायतकर्ता रोहित सिंह ने आरोप लगाया कि अप्रैल 2014 में भंवर सिंह ने अपनी मां से संपर्क कर दिवंगत एमएफ हुसैन की एक पेंटिंग उधार मांगी थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि पेंटिंग उधार देने के कुछ दिनों बाद भंवर सिंह से आर्टवर्क वापस मांगा गया। वर्ष 2017 में भंवर सिंह ने उस पेंटिंग को ढूंढने में असमर्थता जताई और बदले में बूंदी मिनिएचर पेंटिंग की पेशकश की। आरोप है कि उनकी मां ने भंवर सिंह से बार-बार पेंटिंग वापस करने का अनुरोध किया था, जो कभी नहीं की गई। विशेष न्यायाधीश ने भंवर सिंह को समन जारी कर 25 नवंबर को ट्रायल कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया गया था।

डीटीयू में इंजीनियरिंग दाखिले के नाम पर 13.50 लाख रुपये ठगे

गुरुग्राम। जालसाजों ने दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) में इंजीनियरिंग में दाखिले के नाम पर एक छात्र के अभिभावकों से 13.50 लाख रुपये ठग लिए हैं। पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने सेक्टर-56 थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2) और 318(4) के तहत एफआईआर दर्ज की है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मूलरूप से उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर निवासी विजय शंकर गिरी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके बेटे की इंजीनियरिंग काउंसलिंग चल रही थी। इसी दौरान उनके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने विजय शंकर से कहा कि रैंक कम होने के कारण उनके बेटे को डीटीयू के कंप्यूटर साइंस में सीधे दाखिला नहीं मिल पाएगा। बातचीत के दौरान कॉल करने वाले ने कहा कि उनका एक दोस्त डीटीयू में प्रोफेसर है, जो

डोनेशन कोटा के तहत दाखिला करवा सकता है। इसके लिए 18 लाख रुपये लगेंगे। दाखिले के कारण छात्र के अभिभावक कॉल करने वाले जालसाज के झांसे में आ गए।

जालसाजों ने छात्र के अभिभावकों को दाखिले संबंधित बातचीत के लिए गुरुग्राम के सेक्टर-56 स्थित गोल्फ कोर्स रोड पर एक कार्यालय का पता भेजा। यहां पर छात्र के अभिभावकों से तीन युवकों ने बातचीत की और दाखिला करवाने के लिए 15 लाख रुपये में सौदा पक्का किया। धोखाधड़ी में शामिल रकम आरोपियों ने चालाकी से किश्तों में ऑनलाइन और नकद दोनों माध्यमों से वसूल की। आरोपियों ने पीड़ित से कई बार में खाते और नकदी 13.50 लाख रुपये ले लिए और दाखिला करवाने का आश्वासन दिया।

दाखिले की समय सीमा बीत जाने के बाद भी विजय शंकर के बेटे का दाखिला नहीं हुआ तो उन्होंने रुपये लेने वाले युवकों से संपर्क करने की कोशिश की। उन युवकों के मोबाइल स्विच ऑफ मिले और जिस कार्यालय में भी दाखिले के लिए बातचीत की थी, वह भी खाली था।

जांच अधिकारी अमीचन्द ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान सामने आए साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। रुपये लेने वाले युवकों की तलाश की जा रही है।

मोटरसाइकिल पर सवार होकर मंगलसूत्र झपटने वाले दो धरे

गुरुग्राम। अपराध शाखा सेक्टर-31 की पुलिस ने बाइक पर सवार होकर मंगलसूत्र झपटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार किए हैं। पुलिस ने आरोपियों से छीना गया मंगलसूत्र बरामद किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ गुरुग्राम के अलग-अलग थानों में कुल 20 मामले दर्ज हैं। आरोपियों की पहचान नैनीताल (उत्तराखंड) की शांति कुंज कॉलोनी निवासी शुभम और नवादा (बिहार) के बाली गांव निवासी सूरज के रूप में हुई है। आरोपी शुभम के खिलाफ छीनाझपटी संबंधित धाराओं के तहत वर्ष 2018 से वर्ष 2025 तक गुरुग्राम के अलग-अलग थानों में 15 मामले दर्ज हैं। वहीं, आरोपी सूरज के खिलाफ भी छीनाझपटी संबंधित धाराओं के तहत वर्ष 2018 व वर्ष 2025 में गुरुग्राम के अलग-अलग थानों में पांच मामले दर्ज हैं।

दिल्ली-NCR में प्रदूषण की मार... सांसों पर मंडरा रहा बड़ा खतरा, आज भी 400 के पार AQI

नई दिल्ली : दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का संकट बना हुआ है, जिससे लोगों की सांसों पर खतरा मंडरा रहा है। दिल्ली में आज भी हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के सुबह सात बजे के ताजा आंकड़ों के अनुसार, सोमवार सुबह राजधानी के अधिकांश इलाकों में एयर क्वॉलिटी इंडेक्स (अदक) 400 के पार दर्ज हुआ। नोएडा-गाजियाबाद में भी प्रदूषण का स्तर बढ़ा हुआ है।

आनंद विहार में एक्यूआई 429 दर्ज किया गया, जबकि अशोक विहार में यह स्तर 420 रहा। आया नगर में एक्यूआई 339 मापा गया। बवाना में प्रदूषण स्तर 432, बुराड़ी में 402, और डीटीयू क्षेत्र में 399 दर्ज किया गया। द्वारका का अदक386 और आईटीओ का 388 रहा।

जहांगीरपुरी में प्रदूषण का स्तर बेहद चिंताजनक रहा, जहां एक्यूआई 437 दर्ज किया गया। मुंडका में यह 413, नजफगढ़ में 338, पंजाबी बाग में 412 और रोहिणी में 438 तक पहुंच गया। आरके पुरम में एक्यूआई 396 जबकि वजीरपुर में यह राजधानी के सबसे खराब स्तरों में शामिल 448 दर्ज किया गया। कुल मिलाकर, दिल्ली के अधिकांश इलाकों में हवा ह्यगंभीरह्ण श्रेणी में बनी हुई है, जिससे आम

जनता के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बढ़ गई है।

गाजियाबाद में भी 400 पार पहुंची एक्यूआई

गाजियाबाद में भी एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, लोनी में 464 एक्यूआई दर्ज किया गया है। संजय नगर में 389 और इंदिरापुरम में एक्यूआई 421 दर्ज किया।

नोएडा का एक्यूआई भी 400 से ज्यादा

नोएडा में भी कई इलाकों में 400 से ज्यादा एक्यूआई पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सेक्टर 125 में 436, सेक्टर 1 इलाके में 388 और सेक्टर 62 इलाके में 370, सेक्टर 116 इलाके में 388 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

गुरुग्राम में इतना दर्ज किया गया एक्यूआई : केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, गुरुग्राम के एनआईएसई ग्वाल पहाड़ी में 325 एक्यूआई दर्ज किया गया है। सेक्टर 51 इलाके में 324, टेरी ग्राम में 212, विकास सदन में 287 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

फरीदाबाद का एक्यूआई

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, फरीदाबाद के सेक्टर 30 में एक्यूआई 197, न्यू इंडस्ट्रियल टाउन में 270 और सेक्टर 11 में 218 दर्ज किया गया।

शनिवार को ऐसा रहा हाल

राजधानी में सुस्त पड़ी हवा की गति व स्थानीय कारक फिजा में लगातार पीएम2.5 का जहर घोल रहे हैं। शनिवार को हवा बेहद खराब श्रेणी में रही। सुबह की शुरूआत धुंध और हल्के कोहरे से हुई। वहीं, आसमान में स्मॉग की चादर भी दिखाई दी। ऐसे में दृश्यता भी कम रही। लोग मास्क पहने नजर आए। साथ ही, सांस के मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। शुक्रवार की तुलना में शनिवार को छह सूचकांक की वृद्धि दर्ज की गई। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 370 दर्ज किया गया। दूसरी ओर, एनसीआर में गाजियाबाद की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 434 दर्ज किया गया, यह गंभीर श्रेणी है।

निजी स्कूलों में नर्सरी दाखिलों का इंतजार खत्म, चार दिसंबर से शुरू होगी दौड़; 27 तक आवेदन

दिल्ली : दिल्ली के 1700 निजी स्कूलों में नर्सरी, केजी व पहली कक्षा में दाखिले की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में सामान्य श्रेणी (75 फीसदी ओपन सीट) के लिए दाखिले की दौड़ चार दिसंबर से शुरू होने जा रही है। जबकि आवेदन फॉर्म 27 दिसंबर तक जमा कर सकेंगे। शिक्षा निदेशालय ने दाखिला-आवेदन प्रक्रिया को लेकर दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। फिलहाल आवेदन प्रक्रिया ओपन सीटों के लिए शुरू हो रही है। आर्थिक पिछड़े वर्ग व वंचित वर्ग की 25 फीसदी सीटों के लिए अलग से बाद में गाइडलाइंस जारी की जाएंगी।

निजी स्कूलों में सामान्य श्रेणी की सीटों पर आवेदन करने के लिए अभिभावकों को 24 दिन का समय मिलेगा। शिक्षा निदेशक वेदिथा रेड्डी की ओर से जारी की गई गाइडलाइंस के अनुसार अभिभावक स्कूलों में 27 दिसंबर तक फॉर्म जमा करा सकेंगे। उन्हें अपने दाखिला मानक व मानकों के लिए निर्धारित अंक निदेशालय की वेबसाइट पर 28 नवंबर तक अपलोड करने होंगे।

निजी स्कूल दाखिले के लिए मानक स्वयं तैयार कर सकेंगे। स्कूलों को गाइडलाइंस में दिए गए शेड्यूल को ही स्वीकार करना होगा, वह इसमें किसी प्रकार का बदलाव नहीं कर सकते हैं। स्कूलों को यह सुनिश्चित करना होगा कि आवेदकों को अंतिम तिथि 27 दिसंबर तक फॉर्म उपलब्ध हो। निदेर्शों में स्पष्ट किया गया है कि स्कूल अभिभावकों से प्रवेश पंजीकरण शुल्क के रूप में केवल 25 रुपये ही लेंगे।

खुद दाखिला मानक बना सकेंगे स्कूल

स्कूल दाखिले के लिए खुद से मानक तय करेंगे। सौ अंकों के प्वाइंट सिस्टम में सिबलिंग नेबरहुड, एलुमिनी, एकल अभिभावक जैसे मानक स्कूल शामिल कर सकते हैं। हर साल की तरह स्कूल एक बार फिर से घर से स्कूल की दूरी (पड़ोस) को मानकों में प्राथमिकता दे सकते हैं। स्कूलों को निर्देशित किया गया है कि वह जो भी मानक तय करें वह भेदभाव रहित व पारदर्शी होने चाहिए।

मॉनिटरिंग सेल से रखी जाएगी नजर

हर जिले में जिला उपशिक्षा निदेशक की अध्यक्षता में एक मॉनिटरिंग सेल का गठन किया जाएगा। यह सेल इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि हर निजी स्कूल शिक्षा निदेशालय के ऑनलाइन मॉड्यूल पर दाखिला मानक और उनको दिए गए अंकों को अपलोड करेंगे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)